Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2023-25

www.dainikvishwapariwar.com

रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 221 ● वर्ष : 13 ● रायपुर, रविवार 1 फरवरी 2026 ● पृष्ठ : 12 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार

हमें पर द्रव्य को नहीं आत्म द्रव्य को मुख्य बनाना चाहिये।

It is edge of knowledge that it is infinite.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राजिम कुंभ कल्प, शिवरीनारायण मेला एवं सिरपुर महोत्सव की दी शुभकामनाएं

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने 01 फरवरी से माघपूर्णिमा के अवसर पर प्रारंभ हो रहे राजिम कुंभ कल्प, शिवरीनारायण मेला एवं सिरपुर महोत्सव के लिए प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ के प्रयागराज के रूप में प्रसिद्ध राजिम में महानदी, पैरी और सोंढूर नदियों के पवित्र त्रिवेणी संगम पर आयोजित होने वाला राजिम कुंभ कल्प प्रदेश की आस्था और सांस्कृतिक परंपराओं का प्रतीक है। राज्य सरकार इसकी ऐतिहासिक पहचान और गरिमा को पुनर्स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध है, इसी उद्देश्य से 'राजिम माघी पुन्नी मेला' को पुन: 'राजिम कुंभ कल्प' का नाम दिया गया है। मुख्यमंत्री साय ने बताया कि इस वर्ष राजिम कुंभ कल्प का आयोजन 01 फरवरी माघपूर्णिमा से 15 फरवरी महाशिवरात्रि तक किया जाएगा।

प्रदेश सरकार के साथ मिलकर करेंगे काम : शिवराज सिंह चौहान

किसानों की मांगों पर काम करने कमेटी का होगा गठन

रायपुर (विश्व परिवार)। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रदेश में आधुनिक तरीके से की जा रही खेती की प्रशंसा करते हुए कहा कि किसानों ने उनसे मुलाकात के दौरान अपनी मांगें रखी हैं, जिन पर काम करने के लिए कमेटी का गठन किया जाएगा. यह कमेटी प्रदेश सरकार के साथ मिलकर काम करेगी. छत्तीसगढ़ प्रवास पर पहुंचे कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंत्रालय में मीडिया से रू-ब-रू हुए.

इस दौरान उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ धान का कटोरा है, लेकिन सब्जियों का आधुनिक तरीक़े से उत्पादन किया जा रहा है. आज मैं किसानों के बीच गया, देखा जमीन के अंदर एक और जमीन के ऊपर उसी पौधे में दूसरी सब्जी लगाई गई है. किसानों से चर्चा के दौरान उनकी रखी गई मांगों की चर्चा करते हुए कृषि मंत्री ने कहा कि किसानों ने हाईटेक मंडी और शोध की मांग की है. हमारे साथ भारत सरकार के वरिष्ठ वैज्ञानिक थे. एक अच्छी किस्म के धान कैसे लाए? बीमारियां कब लगती हैं? बीमारी के पहले कैसे रोकथाम किया जाए? इस पर विमर्श किया गया. कृषि मंत्री ने कहा कि धान के बाद खेत खाली होता है, उसमें अब दलहन लेने का फ़ैसला सरकार ने लिया है. सरकार उचित मूल्य में खरीदेगी. मूंगफली पर अच्छा काम हो रहा है.

उन्होंने बताया कि किसानों की मांगों को लेकर अगले सप्ताह टीम गठित होगी. प्रदेश सरकार के साथ मिलकर कमेटी काम करेगी. किसानों की जितने भी मांगें हैं, जितनी भी समस्या है, और अच्छा क्या हो सकता है, इस पर काम किया जाएगा. शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि छत्तीसगढ़ के ग़रीबों को आवास से पिछले सरकार ने वंचित कर दिया गया था. अब सभी को आवास दे रहे हैं. हमारा संकल्प है प्रदेश में सभी ग़रीब का अपना छत होगा. प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत काम दिया गया है. पीएम जनमन के तहत लगातार काम जारी है.

कका और बाबा के आपसी विवाद से कांग्रेस कार्यकता पीस रह : चौहान

भारत के कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि छत्तीसगढ़ में कृषि का विकास करने के छत्तीसगढ़ और भारत सरकार मिलकर नया रोडमैप बनाएंगे। छत्तीसगढ़ कांग्रेस कमेटी पर चल रहे विवाद पर कंस कसते हुए कहा कि कका और बाबा के बीच आप विवाद के चलते कांग्रेस कार्यकर्ता हताश हैं। आज छत्तीसगढ़ प्रवास आए केन्द्रीय कृषि शिवराज सिंह ने कहा कि हमने बीजी रामजी नाम एक नई योजना बनाई है, जिसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों का विकास करना है, इसमें 125 दिन का रोजगार दिया जाएगा।

जवानों के साथ रात्रि भोज में सीएम और मंत्रीगण हुए शामिल

मुख्यमंत्री ने आईटीबीटी, डीआरजी, सीएएफ़ जवानों से मुलाकात कर बढ़ाया हौसला

नारायणपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने नारायणपुर जिला मुख्यालय स्थित गारंजी जेलबाड़ी के समीप स्थित आईटीबीटी बटालियन परिसर में आईटीबीटी, सीआरपीएफ़ कोबरा बटालियन, बीएसएफ़ डीआरजी, सीएएफ़ के जवानों एवं अधिकारियों से मुलाकात की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री जवानों के साथ रात्रि भोज में भी शामिल हुए।

मुख्यमंत्री साय ने जवानों से आत्मीय संवाद करते हुए कहा कि बस्तर में प्राकृतिक, खनिज संपदा, सांस्कृतिक संसाधन की उपलब्धता के बावजूद विकास की धारा कई जगहों तक नहीं मिला है, सुरक्षा बलों के साहस, शौर्य, पराक्रम के कारण ही अब विकास कार्य को गति मिल रही है। उन्होंने देश की सुरक्षा में सुरक्षा बलों जवानों के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि कठिन परिस्थितियों में सेवा दे रहे जवानों का मनोबल बनाए रखना सरकार की प्राथमिकता है।मुख्यमंत्री ने जवानों को भरोसा दिलाया कि राज्य सरकार उनके कल्याण और सुविधाओं के लिए निरंतर प्रयासरत है। जवानों ने भी मुख्यमंत्री के साथ अपने अनुभव साझा किए और इस आत्मीय मुलाकात को प्रेरणादायक बताया।

वन मंत्री श्री केदार कश्यप ने कहा कि केंद्रीय गृहमंत्री के संकल्पना को साकार करने सुरक्षा बलों के जवानों के द्वारा किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अब बम गोलियों की आवाज की जगह माँदार की थाप सुनाई देगी। कार्यक्रम में अतिथियों ने जवानों के ट्रूप के जवानों को उपहार भेंट किए । सुरक्षा बलों के वरिष्ठ अधिकारियों ने मुख्यमंत्री और मंत्रियों को स्मृति चिह्न भेंट किए।

अजित के निधन के चौथे दिन पत्नी सुनेत्रा बनीं उपमुख्यमंत्री

मुंबई। अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार शनिवार को महाराष्ट्र की पहली महिला डिप्टी सीएम बन गईं। राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने लोकभवन में सुनेत्रा को शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण समारोह करीब 12 मिनट तक चला।

शरद पवार इस समारोह में नहीं पहुंचे। इससे पहले दिन में एननसीपी विधायक दल और

विधान परिषद सदस्यों की विधान भवन में बैठक बुलाई गई थी, जिसमें सुनेत्रा को पार्टी नेता चुना गया था। डिप्टी ष्टरू की शपथ से पहले सुनेत्रा ने राज्यसभा के सांसद पद से इस्तीफा दे दिया। सुनेत्रा को राज्य उत्पादन शुल्क, खेल एवं युवा कल्याण और अल्पसंख्यक विकास/औकाफ विभाग दिए गए हैं। वहीं सीएम देवेंद्र फ्डणवीस ने वित्त विभाग अपने ही पास रखा है। अजित पवार की तीन दिन पहले 28 जनवरी को बारामती में प्लेन क्रैश में मौत के बाद डिप्टी ष्टरू पद खाली हो गया था।

रसोईया संघ की रैली पर पुलिस का एक्शन

सरकार के खिलाफ नारेबाजी...600 से ज्यादा लोगों पर एफआईआर

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ स्कूल मध्यान्ह भोजन रसोईया संयुक्त संघ की रैली के दौरान कानून-व्यवस्था भंग होने के मामले में पुलिस ने बड़ा एक्शन लिया है। सरकार और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी, मुख्य मार्ग जाम करने और आम जनता को परेशानी में डालने के आरोप में संघ के पदाधिकारियों सहित 500 से 600 अज्ञात लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। यह कार्रवाई

अभनपुर में पदस्थ थाना प्रभारी निरीक्षक की शिकायत पर की गई। 29 जनवरी 2026 को वरिष्ठ कार्यालय के निर्देश पर अभनपुर पुलिस की टीम धरना-प्रदर्शन और कानून-व्यवस्था ड्यूटी के लिए तूता, नवा रायपुर पहुंची थी।

नारायणपुर अंचल में अमन शांति, आजीविका और स्थानीय सहभागिता बढ़ाने पर फोकस : मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

● मुख्यमंत्री विभिन्न कार्यक्रमों में हुए शामिल

रायपुर (विश्व परिवार)। दो दिवसीय नारायणपुर प्रवास पर पहुँचे मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने अबूझमाड़ क्षेत्र में आयोजित पीस हाफ मैराथन के शुभारंभ के साथ-साथ अनेक सामाजिक, खेल और पर्यटन गतिविधियों में शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने क्षेत्र में शांति स्थापना, आजीविका संवर्धन और स्थानीय सहभागिता को बढ़ाने के लिए राज्य शासन द्वारा किए जा रहे प्रयासों का अवलोकन किया, उन्हें प्रोत्साहित किया तथा लोगों से संवाद कर सहभागिता और विश्वास को और मजबूत किया।

बाइकर्स को दिखाई हरी झंडी: मुख्यमंत्री श्री साय ने शांत सरोवर के समीप रायपुर के छत्तीसगढ़ राइडिंग क्लब के 40 बाइकर्स को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह बाइकर्स समूह नारायणपुर के सुदूर पर्यटन स्थल कच्चापाल तक की यात्रा करेगा। इस पहल के माध्यम से अबूझमाड़ को जानने, समझने और शांति का संदेश जन-जन तक पहुँचाने का प्रयास किया जा रहा है।

शांत सरोवर में नौका विहार: बिजली गाँव के समीप स्थित शांत सरोवर में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने वन मंत्री श्री केदार कश्यप, राजस्व मंत्री श्री टंकराम वर्मा, सांसद बस्तर श्री महेश कश्यप एवं लघु वनोपज के अध्यक्ष श्री रूपसाय सलाम के साथ नौका विहार का आनंद लिया।

स्थानीय पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से यह विशेष पहल स्थानीय प्रशासन के द्वारा की गई है।

तीर-धनुष से साधा लक्ष्य: मुख्यमंत्री श्री साय ने बिंजली में आयोजित कार्यक्रम के दौरान तीरंदाजी के स्थानीय युवा खिलाड़ियों से आत्मीय मुलाकात की और स्वयं तीर-धनुष उठाकर लक्ष्य साधते हुए खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि बस्तर अंचल में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है।

आदिवासी समाज की पारंपरिक दक्षताओं को आधुनिक प्रशिक्षण से जोड़कर राष्ट्रीय स्तर तक पहुँचाने के लिए राज्य सरकार निरंतर प्रयास कर रही है। शांति, आजीविका और खेलों के विकास में प्रशासन द्वारा समन्वित प्रयास किया जा रहा है।मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार जिला प्रशासन और सुरक्षा बलों के साथ मिलकर क्षेत्र में शांति स्थापना, आजीविका संवर्धन, खेल प्रतिभाओं को मंच देने और विश्वास का वातावरण बनाने के लिए सतत कार्य कर रही है।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री के सचिव श्री राहुल भगत, कमिश्नर श्री डोमन सिंह, आईजी श्री सुंदरराज पी, कलेक्टर सुश्री नम्रता जैन, पुलिस अधीक्षक श्री रॉबिन्सन गुरिया, सीईओ सुश्री आकांक्षा शिक्षा खलखो सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

अबूझमाड़ की धरती से देश-दुनिया को दिया जा रहा है अमन और शांति का मजबूत संदेश : मुख्यमंत्री

अबूझमाड़ पीस हाफ मैराथनः शांति, विश्वास और विकास का सामूहिक दौड़

अबूझमाड़ की पावन धरती से शांति, सद्भाव और विकास का सशक्त संदेश देते हुए आज अबूझमाड़ पीस हाफ मैराथन 2026 का भव्य एवं ऐतिहासिक आयोजन किया गया। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज अलसुबह नारायणपुर के हाईस्कूल परिसर के समीप आयोजित हाफ मैराथन सहभागिता की और धावकों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया तथा सांकेतिक रूप से स्वयं भी दौड़ लगाई। इस दौरान मुख्यमंत्री ने विजयी प्रतिभागियों को प्रदान किए जाने वाले मैडल का अनावरण भी किया।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि आज अबूझमाड़ की धरती से पूरे देश और दुनिया को अमन और शांति का मजबूत संदेश दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह वही अबूझमाड़ है, जहाँ कभी आम नागरिकों और जवानों का पहुँचना भी कठिन था, लेकिन आज सकारात्मक वातावरण के कारण हजारों लोग यहाँ एकत्रित हुए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि बस्तर में माओवाद से मुक्ति की दिशा में युवा वर्ग का जोश और उत्साह यह संकेत दे रहा है कि जल्द ही यह क्षेत्र खुशियों से आबाद होगा।मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि यह परिवर्तन डबल इंजन सरकार की नीतियों और नेतृत्व का परिणाम है।

उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं केंद्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह के संकल्प और दृढ़ इच्छाशक्ति का उल्लेख करते हुए कहा कि 31 मार्च 2026 तक देश से नक्सलवाद के समूल उन्मूलन का लक्ष्य तय किया गया है और बस्तर लाल आतंक से पूरी तरह मुक्त होगा।

केंद्रीय मंत्री चौहान राजधानी पहुँचे, विमानतल पर शर्मा व नेताम सहित भाजपा नेताओं ने स्वागत किया

रायपुर (विश्व परिवार)। केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान अपने एक दिवसीय प्रवास पर शनिवार की सुबह राजधानी पहुँचे।व केन्द्रीय मंत्री श्री चौहान का राजधानी पहुँचने पर स्वामी विवेकानंद विमानतल पर उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा, कृषि मंत्री रामविचार नेताम, प्रदेश महामंत्री अखिलेश सोनी, जिला अध्यक्ष रायपुर शहर रमेश सिंह ठाकुर, प्रदेश सोशल मीडिया संयोजक मितुल कोठारी, सत्कार विभाग प्रदेश संयोजक आकाश विग ने स्वागत किया। केन्द्रीय मंत्री श्री चौहान शनिवार को ग्राम गिरोला और खपरी में आयोजित पौधारोपण कार्यक्रम में शिरकत करने के बाद कुम्हारी (दुर्ग) में छत्तीसगढ़ युवा प्रगतिशील किसान संघ के %किसान मेला% मे हिस्सा लेंगे। श्री चौहान अपराह्न राजधानी लौटकर नया रायपुर स्थित महानदी भवन में समीक्षा बैठक लेंगे और रात नयी दिल्ली लौटेंगे।

सिद्ध गुरूवर का महाआशीर्वाद समारोह एक फरवरी को

रायपुर। सिद्ध गुरु देवराहा बाबा के शिष्य सिद्ध गुरु सिद्धेश्वर ब्रह्म ऋषि का महाआशीर्वाद समारोह एक फरवरी को शाम साढ़े 4 बजे अटल बिहारी बाजपेयी सभागार मेडिकल कॉलेज रायपुर में आयोजित किया गया है।

उक्त कार्यक्रम में गुरुवर द्वारा 38 दिन की भूगर्भ समाधि के बाद उपस्थित श्रद्धालुओं को अभिमंत्रित रूद्राक्ष एवं कलेवा दिया जाएगा।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं विशिष्ट अतिथि विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह होंगे।

किसान मेले में अखिल जैन ने गौ आधारित कृषि का दिया प्रशिक्षण

● दो दिवसीय किसान मेले का शनिवार को समापन

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ युवा प्रगतिशील किसान संघ द्वारा दुर्ग जिले के कुम्हारी में आयोजित दो दिवसीय किसान मेले का शनिवार को समापन हो गया। इस मेले में खैरागढ़ मनोहर गौशाला का स्टॉल लगाया गया। जहां ट्रस्टी डॉ. अखिल जैन (पदम डाकलिया) ने बड़ी संख्या में किसानों को गौ आधारित कृषि का प्रशिक्षण दिया। साथ ही मेले में पहुंचे केंद्रीय कृषि और कृषक कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान को गोबर की माला पहनाकर गोबर से बने दीये और फसल अमृत की बोतल भेंट की। डॉ. जैन से प्रशिक्षण लेकर बड़ी संख्या में किसानों ने जैविक खेती अपनाने का संकल्प लिया।

रायपुर नगर पालिक निगम की सख्त कार्यवाही

रायपुर। राजधानी शहर रायपुर में अनियोजित विकास और अवैध कॉलोनियों पर शिकंजा कसते हुए नगर पालिक निगम रायपुर ने हीरापुरङ्कजरवाय एवं सोनडोंगरी क्षेत्र में अनेक खसरों की भूमियों को अवैध कॉलोनी के रूप में चिह्नित किया है। रायपुर नगर पालिक निगम प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि इन समस्त खसरा नंबरों की भूमि का अधिग्रहण रायपुर नगर पालिक निगम द्वारा किया जा रहा है।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र./27861/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2026
रायपुर, दिनांक 31-01-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 27861
वार्ड का नाम- 4 यतीयतनलाल वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 4 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR104J0245A** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **JOTI KHANDELWAL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **ASHOK KUMAR KHANDELWAL** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **गीता खंडेलवाल** पिता/पति, श्री/श्रीमती **पति स्व. हरीकिशन खंडेलवाल** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **मलमा बिक्रि नामा के व शपथ पत्र**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती दिव्या चंद्रवंशी
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स की बड़ी जीत

अचल संपत्ति पंजीयन विसंगतियों पर सरकार ने मानी मांगें

● चेम्बर प्रदेश अध्यक्ष सतीश थौरानी के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी से मिलकर जताया आभार

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ के व्यापारिक हितों की रक्षा और आम जनता को राहत दिलाने की दिशा में %छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज% को एक बड़ी सफलता प्राप्त हुई है। चेम्बर द्वारा अचल संपत्तियों की पंजीयन दरों और नई गाइडलाइन की विसंगतियों को लेकर उठाए गए मुद्दों पर राज्य सरकार ने सकारात्मक निर्णय लेते हुए बड़ी राहत दी है।इस ऐतिहासिक उपलब्धि के बाद, आज चेम्बर प्रदेश अध्यक्ष श्री सतीश थौरानी के नेतृत्व में एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने माननीय वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी से सौजन्य भेंट की और प्रदेश के व्यापारियों, किसानों एवं आम जनता की ओर से पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका आभार व्यक्त किया। प्रेस को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष श्री सतीश थौरानी ने बताया कि चेम्बर ने अपने पत्र क्रमांक 791/2025-26, दिनांक 26 -11- 25 के माध्यम से पंजीयन शुल्क को कम करने, नवा रायपुर के गांवों को नगरीय क्षेत्र की बाध्यता से मुक्त करने और बहुमंजिला इमारतों के आनुपातिक मूल्यांकन जैसे महत्वपूर्ण सुझाव दिए थे। मुलाकात के दौरान वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी ने कहा कि सरकार का उद्देश्य राजस्व संकलन के साथ-साथ आम जनता और व्यापारियों को सुगम वातावरण देना है। चेम्बर के सुझावों पर अमल करते हुए सरकार ने दरों को युक्तिसंगत बनाया है, जिससे रियल एस्टेट सेक्टर को नई गति मिलेगी। इस अवसर पर सतीश थौरानी के साथ चेम्बर के प्रमुख पदाधिकारी, विभिन्न व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधि और रियल एस्टेट क्षेत्र के उद्यमी उपस्थित थे। सभी ने एक स्वर में माननीय मंत्री जी के त्वरित निर्णय की सराहना की और इसे छत्तीसगढ़ के विकास में एक मील का पत्थर बताया।इस अवसर पर चेम्बर प्रदेश अध्यक्ष सतीश थौरानी, अल्पसंख्यक आयोग अध्यक्ष छत्तीसगढ़ शासन एवं चेम्बर सलाहकार अमरजीत सिंह छाबड़ा, चेम्बर सलाहकार अमर गिदवानी, वाईस चेयरमेन चेतन तारवानी, कार्यकारी अध्यक्ष राधाकिशन सुंदरानी, राजेश वासवानी, जसप्रीत सिंह सलूजा, उपाध्यक्ष दिलीप इसरानी, प्रकाश लालवानी, अमरदास खट्टर, राज कुमार तारवानी, राजेश गिदवानी, संतोष जैन, सोनिया साहू, मंत्री भरत प्रधनानी, जतिन नचरानी, महिला चेम्बर अध्यक्षा डॉ. ईला गुप्ता, कोषाध्यक्ष नम्रता अग्रवाल सहित चेम्बर सदस्य नितिन बरडिया प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

अविनाश श्रीवास्तव, अपेक्स बैंक संवर्ग अधिकारी विशेष श्रेणी को दी गई गरिमामय कार्यक्रम में विदाई

नवा रायपुर(विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी बैंक(अपेक्स बैंक) के संवर्ग अधिकारी विशेष श्रेणी श्री अविनाश श्रीवास्तव आज 62 वर्ष पूर्ण होने पर बैंक सेवा से सेवानिवृति हो गए। आज अपेक्स बैंक मुख्यालय नवा रायपुर में श्री अविनाश श्रीवास्तव को गरिमामय कार्यक्रम आयोजित कर विदाई दी गई। श्री अविनाश श्रीवास्तव के विदाई कार्यक्रम में अपेक्स बैंक के प्राधिकृत अधिकारी व कैबिनेट मंत्री दर्जा, छत्तीसगढ़ शासन श्री केदार नाथ गुप्ता की विशिष्ट उपस्थिति रही। विदाई कार्यक्रम में अपेक्स बैंक के प्रबंध संचालक व अपर आयुक्त सहकारिता श्री के एन कांडे, पूर्व अपर आयुक्त सहकारिता श्री हितेश दोशी,पूर्व संयुक्त पंजीयक श्री पी एस सर्पराज, संयुक्त पंजीयक श्री यू बी एस राठिया, संयुक्त पंजीयक श्री डी पी टावरी,संयुक्त पंजीयक व मार्कफेड सचिव श्री भूपेंद्र ठाकुर, ओएसडी सहकारिता छत्तीसगढ़ शासन व उप पंजीयक श्री एन आर के चंद्रवंशी, अपेक्स बैंक महाप्रबंधक व उप पंजीयक श्री युगल किशोर, अपेक्स बैंक उप महाप्रबंधक श्री भूपेश चंद्रवंशी, एजीएम श्री अरुण पुरोहित, एजीएम श्री एल के चौधरी, एजीएम व शाखा प्रबंधक पड़री श्री अजय भगत, प्रबंधक श्री ए के लहरे, प्रबंधक श्री अभिषेक तिवारी, प्रबंधक श्री गुंजार सिंह ठाकुर, श्रीमती रुमित सोढ़ी, श्रीमती शुचिप्रभा शर्मा, जिला सहकारी केंद्रीय बैंको के सीईओ- श्रीमति अपेक्षा व्यास, श्री प्रभात मिश्रा, श्री एस के वर्मा, श्रीकांत चंद्राकर श्री सुधीर सोनी एवं बड़ी संख्या में सहकारिता विभाग व अपेक्स बैंक के अधिकारी व कर्मचारीगण मौजूद रहे।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र./28041/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2026
रायपुर, दिनांक 31-01-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 28041
वार्ड का नाम- 15 कन्हैयालाल बाजारी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 15 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR107L489EI** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **AADHARSHEELA DEVELOPERS, MANILAL PATEL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **RAMJI BHAI PATEL** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1 DIPIKA SAHA 02. BABLI JAYSWAL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **01. W/O SUMIT KUMAR SAHA 02 W/O MAHESH PRASAD JAYSWAL** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती दिव्या चंद्रवंशी
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र./28009/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2026
रायपुर, दिनांक 31-01-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 28009
वार्ड का नाम- 4 यतीयतनलाल वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 4 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR104G00015** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **JOGRAJ CHANDAK** पिता/पति, श्री/श्रीमती **KEVAL CHAND CHANDAK** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **MS DHANRAJ JAIN PROPRIETOR DHANRAJ JAIN** पिता/पति, श्री/श्रीमती **S/O SAWAIRAM JAIN** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती दिव्या चंद्रवंशी
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र./27983/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2026
रायपुर, दिनांक 31-01-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 27983
वार्ड का नाम- 17 ठक्कर बापा वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 17 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR109C00052** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **USHA BANJARE** पिता/पति, श्री/श्रीमती **HARISH CHAND BANJARE** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SULTANA PRVIN** पिता/पति, श्री/श्रीमती **W/O LT. SAIYYAD JAMILUDDIN** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती दिव्या चंद्रवंशी
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-4)
प्रेस क्लब, पानी टंकी के नीचे, छोटापारा, रायपुर
E-mail ID - rmczone4@gmail.com

पत्र क्र./28063/ न.पा.नि./जोन क्र.-4/2025
रायपुर, दिनांक 31-01-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 28063
वार्ड का नाम-43-ब्राम्हणपारा वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 43 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR759C0119D** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **LALIT SHARMA**पिता/पति, श्री/श्रीमती **S/O GOVARDHAN SHARMA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **MANNU SHARMA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **D/O GOVARDHAN SHARMA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **मलमा विक्रय इकरारनामा के माध्यम से शपथ पत्र**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री अरुण ध्रुव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-4
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-03, सेजबहार, रायपुर
(छ.ग.)फोन नं.-0771-2991574
Email Id: eocghbzone03@gmail.com

आम-सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि दीनदयाल आवास योजना **सेजबहार** रायपुर में स्थित **भवन क्र. एल.आई.जी. 1067, श्रीमती श्री सूरज कुमार दीप पिता स्व. श्री गोवर्धन दीप** के नाम पर इस कार्यालय का आदेश क्रमांक 141 **दिनांक 03.10.2025** द्वारा नाम दर्ज किया गया है। नामांतरित द्वारा उक्त भवन को **क्रेता श्रीमती परवीन बानो पति श्री आबिद परवेज** निवासी चर्च के पास बैरन बाजार रायपुर (छ.ग.) के पक्ष में दिनांक 14.10.2025 को विक्रय कर दिया गया है। वर्तमान में **क्रेता श्रीमती परवीन बानो पति श्री आबिद परवेज** द्वारा उक्त को फ्री-होल्ड पश्चात अपने नाम पर दर्ज किये जाने हेतु इस कार्यालय में अपना आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अत: उक्त फ्लैट के नाम दर्ज करने के संबंध में किसी भी व्यक्ति, शासकीय/ अर्द्धशासकीय संस्था निकाय, बैंक अथवा वित्तीय संस्था, को कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-3 रायपुर

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./27841/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2025
रायपुर, दिनांक 29-01-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 27841
वार्ड का नाम- 56 - ले. अरविंद दीक्षित वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 56 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR446C0407A** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **VIJAY KUMAR BAJAJ, TEJKUMAR BAJAJ** पिता/पति, श्री/श्रीमती **CHOITHRAM BAJAJ** के नाम से दर्ज है जिसको पिता/पति श्री/श्रीमती **TEJKUMAR BAJAJ** पिता/पति, श्री/श्रीमती **CHOITHRAM BAJAJ** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत हक त्याग विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री विवेकानन्द दुबे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./27840/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2025
रायपुर, दिनांक 29-01-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 27840
वार्ड का नाम- 54 - कामरेड सुधीर मुखर्जी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 54 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR652J00148** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **TILAK RAM SAHU** पिता/पति, श्री/श्रीमती **GEETA PRASAD SAHU** के नाम से दर्ज है जिसको पिता/पति श्री/श्रीमती **SANTOSHI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SW. LAKESH CHANDRAKAR** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **मलमा बिक्रि नामा के व शपथ पत्र**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री विवेकानन्द दुबे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./27845/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2025
रायपुर, दिनांक 29-01-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 27845
वार्ड का नाम- 52 - डॉ. राजेंद्र प्रसाद वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 52 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR446J1080B** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **1. HEER DHARMANI 2. DEEPAK DHARMANI S/D/W/O DEEPAK DHARMANI 2. RATANLAL DHARMANI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **....** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SACHIN PATEL** पिता/पति श्री/श्रीमती **MAHENDRA PATEL** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री विवेकानन्द दुबे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

छत्तीसगढ़

रायपुर, रविवार 01 फरवरी 2026

भाजपा जिला कार्यालय में जिला अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक ने फहराया तिरंगा

संविधान से सशक्त होता है देश का आत्मसम्मान – सुरेंद्र कौशिक

दुर्ग । 77 वे गणतंत्र दिवस के अवसर पर दुर्ग जिला भाजपा कार्यालय में जिला अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक ने राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा फहराया इस अवसर पर महापौर अलका बाघमार भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य चंद्रिका चंद्राकर उषा टावरी भाजपा जिला महामंत्री विनोद अरोरा सभापति श्याम शर्मा महिला मोर्चा प्रदेश मंत्री कुमुद बघेल मुख्य रूप से उपस्थित रहे । इस अवसर पर उपस्थित भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारी में कार्यकर्ताओं ने मां भारती के चित्र पर पुष्प अर्पित कर देश के लिए शहीद हुए वीर शहीदों को नमन किया । इस अवसर पर जिला भाजपा अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक ने कहा की हमारा देश अनेकता में एकता का जीवन उदाहरण है कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक और कटक से लेकर अटक तक भारत एक अखंड सूत्र में बंधा हुआ है हमारे देश में विभिन्न धर्म संप्रदाय और समाज के लोग यहां मिलकर त्यौहार मनाते हैं जो हमारे देश की असली लोकतंत्र की पहचान है भाजपा जिला

अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक ने आगे कहा कि स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस जैसे राष्ट्रीय पर्व पूरे देश को एकता के सूत्र में पिरोते हैं गणतंत्र दिवस हर भारतीय के अंदर छिपे हुए नागरिक बोध जगाने का पर्व है जहां गर्व भी है, जहां जिम्मेदारी भी है और भविष्य को बेहतर संवारने का अटूट विश्वास भी मैं आहान करता हूं कि आप सभी राष्ट्र हित में कार्य करके देश को सशक्त और मां भारती के वैभव को परम शिखर की ओर लेकर जाएं जैन आप सभी को गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं ।इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष मनोज सोनी सरिता मिश्रा अशोक राठी राजीव पांडेय मंत्री गायत्री वर्मा कोषाध्यक्ष ओम प्रकाश सेन सह कोषाध्यक्ष ध्रुव सचदेव कार्यालय मंत्री सैयद आसिफ अली शह कार्यालय मंत्री राहुल पंडित मीडिया प्रभारी राजा महोबिया सोशल मीडिया प्रभारी रजनीश श्रीवास्तव मंडल भाजपा अध्यक्ष कमलेश फेकर महेंद्र लोढ़ा बंटी चौहान कौशल साहू वरिष्ठ भाजपा नेता अजय तिवारी विनायक नातू चतुर्भुज राठी मनोज मिश्रा मनोज अग्रवाल डॉ शरद अग्रवाल रोमनाथ साहू पिछड़ा वर्ग मोर्चा जिला अध्यक्ष तेखन सिन्हा अमित पटेल नवीन साहू राकेश दुग्गड नीलेश अग्रवाल मनोज शर्मा दिनेश नालोडे राम अग्रवाल अनुपम मिश्रा शीतल जांगिड़ झरना वर्मा चंपा साहू श्वेता बक्शी क्षमा तिवारी समीर रिजवी प्रीति साहू सहित भाजपा कार्यकर्ता आम जनमानस उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने किया पुलिस भवनों व आवासों का वर्चुअल उद्घाटन

दुर्ग। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बुधवार को पुलिस मुख्यालय नया रायपुर से दुर्ग जिले में छत्तीसगढ़ पुलिस हाउसिंग कॉर्पोरेशन के माध्यम से निर्मित विभिन्न पुलिस भवनों एवं आवासों का वर्चुअल माध्यम से उद्घाटन किया। इस कार्यक्रम के अंतर्गत नई पुलिस लाइन दुर्ग में 36 अराजपत्रित अधिकारियों एवं 48 प्रधान आरक्षक-आरक्षकों के नवनिर्मित आवास गृह, दुर्ग में नवनिर्मित ट्रांजिट हॉस्टल, थाना पद्मनाभपुर एवं थाना पुलगांव के नवनिर्मित भवन तथा पुलिस अनुविभागीय अधिकारी कार्यालय धमधा का उद्घाटन किया गया।

उद्घाटन समारोह के दौरान दुर्ग में आयोजित कार्यक्रम में शिरकत करते हुए प्रदेश के स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने बोरसी स्थित पुलिस सहायता केन्द्र के प्रवेश द्वार में फीता काटकर शुभारंभ किया। इस अवसर पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि राज्य सरकार पुलिस बल एवं उनके परिवारों की सुविधाओं को प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने पुलिस परिवारों की मांग पर सर्व-सामुदायिक भवन निर्माण, हाईमास्ट लाइट की स्थापना तथा पुलिस आवासों के मरम्मत कार्य कराए जाने का आश्वासन दिया। जिला दण्डाधिकारी दुर्ग अभिजीत सिंह ने कहा कि जब आम नागरिक रात्रि में विश्राम करते हैं, तब पुलिस बल समाज की सुरक्षा के लिए निरंतर ड्यूटी पर तैनात रहता है। नवनिर्मित आवासों एवं भवनों से पुलिस कर्मियों की कार्यक्षमता के साथ-साथ उनके जीवन स्तर में भी सकारात्मक सुधार होगा। कार्यक्रम में दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चन्द्राकर, पुलिस उप महानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दुर्ग विजय अग्रवाल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर) दुर्ग सुखनंदन राठौर, पुलिस हाउसिंग कॉर्पोरेशन के एसडीओ नवीन वर्मा तथा सुरेन्द्र कौशिक, पार्षद लोकेश्वरी ठाकुर सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारीगण उपस्थित रहे।

फरवरी में राजेन्द्र पार्क में फिर सजेगा फ्लावर शो

दुर्ग। नगर पालिक निगम।महापौर अलका बाघमार के मार्गदर्शन में पर्यावरण एवं उद्यानिकी समिति की बैठक आज समिति प्रभारी काशीराम कोसरे की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में समिति सदस्यों की उपस्थिति में पर्यावरण संरक्षण, उद्यानों के विकास एवं विभिन्न प्रस्तावों पर विस्तृत चर्चा की गई।बैठक में प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी राजेन्द्र पार्क में माह फरवरी में फ्लावर शो आयोजित किए जाने को लेकर विचार-विमर्श किया गया। समिति प्रभारी काशीराम कोसरे ने बताया कि निगम द्वारा पूर्व वर्षों में आयोजित पुष्प प्रदर्शनी को नागरिकों का भरपूर समर्थन और सराहना मिली है। इसी कड़ी में इस वर्ष भी भव्य फ्लावर शो आयोजित करने तथा प्रदर्शनी के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रमों एवं जन-जागरूकता गतिविधियों को शामिल करने पर सहमति बनी।इसके साथ ही बैठक में नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत स्थित प्रमुख उद्यानों के संधारण एवं सौंदर्यीकरण को लेकर भी महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। शहर के प्रमुख उद्यान राजेन्द्र पार्क एवं दादा-दादी, नाना-नानी पार्क के संधारण कार्य को शीघ्र प्रारंभ करने पर सहमति बनी, जिससे नागरिकों को स्वच्छ, सुंदर एवं हरित वातावरण उपलब्ध कराया जा सके। बैठक में समिति प्रभारी काशीराम कोसरे के साथ पार्षद श्रीमती नीलम सिंह, श्रीमती सुरूचि उमरे, श्रीमती रेखा बंजारे, श्रीमती हीरौन्दी चंदानिया, श्रीमती बबिता गुड्डू यादव, उप अभियंता पंकज साहू, उद्यान प्रभारी अनिल सिंह एवं पुरुषोत्तम साहू उपस्थित रहे।

सेल स्थापना दिवस : साधना सरगम की सुरीली प्रस्तुति ने मोहा भिलाई के श्रोताओं का मन

भिलाई । सेल स्थापना दिवस के अवसर पर भिलाई इस्पात संयंत्र द्वारा आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला के अंतर्गत 24 जनवरी 2026 की संध्याकाल भिलाई क्लब स्थित रॉयल क्रिस्टल गार्डन में एक भव्य संगीतमय संध्या का आयोजन किया गया। इस विशेष आयोजन में बॉलीवुड की प्रसिद्ध एवं अंतरराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त पार्श्वगायिका साधना सरगम ने अपनी सुमधुर गायकी से उपस्थित श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।इस अवसर पर निदेशक प्रभारी (सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र) श्री चित्त रंजन महापात्र, कार्यपालक निदेशक (सामग्री प्रबंधन) श्री ए.के. चक्रवर्ती, कार्यपालक निदेशक (वित्त एवं लेखा) श्री प्रवीन निगम, कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन) श्री पवन कुमार, कार्यपालक निदेशक (परियोजनाएं) श्री पी.के. सरकार, कार्यपालक निदेशक (वर्क्स) श्री राकेश कुमार, कार्यपालक निदेशक (खदान) श्री कमल भास्कर, तथा कार्यपालक निदेशक (रावघाट) श्री अरुण कुमार, सपत्निक उपस्थित रहे।कार्यक्रम में अध्यक्ष एन.के. बंछोर, महासचिव अंकुर मिश्रा सहित संयंत्र के वरिष्ठ अधिकारी, विभिन्न यूनियनों के पदाधिकारी, पूर्व कर्मचारी, क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों के साथ-साथ बड़ी संख्या में भिलाई व निकटवर्ती क्षेत्रों के संगीत प्रेमी भी उपस्थित रहे।अपने मधुर एवं प्रभावशाली स्वरों के लिए प्रख्यात साधना सरगम ने मुंबई से आए अपने दस सदस्यीय संगीत दल के साथ हिंदी फिल्म संगीत के लोकप्रिय गीतों के साथ-साथ विभिन्न क्षेत्रीय भाषाओं के गीतों की मनमोहक प्रस्तुतियाँ दीं।

मैत्री विद्या निकेतन स्कूल रिसाली में 77वां गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास से मनाया गया

रिसाली। मैत्री विद्या निकेतन सीनियर सेकेंडरी स्कूल, रिसाली में 77वां गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास एवं गरिमा के साथ मनाया गया। मुख्य कार्यक्रम का शुभारंभ संस्था की अध्यक्षा राजम सुधाकरण एवं प्रतिष्ठित अतिथियों द्वारा राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा फहराने के साथ हुआ। राष्ट्रगान के पश्चात विद्यालय की हेड गर्ल अंकिता कुर्रे ने विद्यार्थियों को राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों के लिए शपथ दिलाई। इस अवसर पर विद्यालय की प्रबंधक एवं प्राचार्या डॉ. सजीता थंबी ने अपने प्रभावी उद्बोधन में कहा कि गणतंत्र दिवस हमारे संविधान की महान परिकल्पना और उसके श्रेष्ठ मूल्यों का प्रतीक है। संविधान मात्र दस्तावेज नहीं, बल्कि नागरिकों के अधिकारों एवं कर्तव्यों का उत्कृष्ट संकलन है, जिसके निर्वहन में हर नागरिक की नैतिक जिम्मेदारी निहित है। उन्होंने कहा कि भूमंडलीकरण के इस युग में प्रत्येक भारतीय को कौशल, सकारात्मकता एवं सामाजिक उत्तरदायित्व के साथ आगे बढ़ते हुए राष्ट्र निर्मित में योगदान देना होगा। इस वर्ष गणतंत्र दिवस का विषय स्वतंत्रता का मंत्र वंदे मातरम एवं समृद्धि का मंत्र- आत्मनिर्भर भारत – नागरिकों को नैतिक मूल्यों के साथ योगदान करने के लिए प्रेरित करता है, जिससे राष्ट्र का समग्र विकास संभव है। कार्यक्रम के सांस्कृतिक चरण में विद्यार्थियों ने देशभक्ति से ओत-प्रोत विविध आकर्षक प्रस्तुतियाँ दीं। कक्षा 11 (ष्ठ) की मोक्षदा साहू ने हिंदी में तथा कक्षा 9 (क्र) की जोया ने अंग्रेज़ी में गणतंत्र दिवस विषयक विचार प्रस्तुत किए। इसके अतिरिक्त कक्षा 1 (क्र) की पूर्वी निर्मलकर ने कविता पाठ कर दर्शकों की तालियाँ प्राप्त कीं।

भिलाई महिला समाज के पदाधिकारियों ने चिकित्सालय स्टाफ को किया सम्मानित

भिलाई । भिलाई महिला समाज के पदाधिकारियों द्वारा विभिन्न उपलब्धियों एवं पूर्व में आयोजित विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम व प्रतियोगिताओं के लिए चिकित्सालय स्टाफ को सम्मानित किया गया। साथ ही जवाहरलाल नेहरु चिकित्सालय एवं अनुसंधान केन्द्र के इतिहास एवं चिकित्सा के क्षेत्र में अर्जित विभिन्न उपलब्धियों और गत वर्ष में हुए पहलों पर विशेष प्रतुतिकरण दिया गया। इसके अतिरिक्त गणतंत्र दिवस के अवसर पर, प्रातः 8 बजे इस्पात भवन में कार्यपालक निदेशक प्रवीन निगम, एक्सपांशन भवन में कार्यपालक निदेशक प्रबीर कुमार सरकार, एल एंड डी सेंटर में कार्यपालक निदेशक पवन कुमार, रिफ्रेक्ट्री स्टोर में कार्यपालक निदेशक ए के चक्रवर्ती, संयंत्र भवन में कार्यपालक निदेशक राकेश कुमार, सी ई जेड कॉम्प्लेक्स में कार्यपालक निदेशक, सीएमएलओ कमल भास्कर, नगर सेवाएं विभाग में कार्यपालक निदेशक , सीएमएलओ अरुण कुमार द्वारा ध्वजारोहण किया गया। इसके साथ ही संयंत्र के अन्य सभी विभागों में विभाग प्रमुख, इस्पात क्लबों में संबंधित क्लब के अध्यक्ष एवं संयंत्र के विद्यालयों में, विद्यालय प्रमुख द्वारा ध्वजारोहण किया गया। भिलाई के खदानों में भी संबंधित खदान प्रभारी द्वारा ध्वजारोहण किया गया।

दुर्ग जिले में पुलिस के नवनिर्मित आवासों एवं भवनों का वर्चुअल उद्घाटन

दुर्ग । मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ शासन विष्णुदेव साय द्वारा जिला दुर्ग में छत्तीसगढ़ पुलिस हाउसिंग कॉर्पोरेशन के माध्यम से निर्मित विभिन्न पुलिस भवनों एवं आवासों का वर्चुअल उद्घाटन किया गया।उक्त कार्यक्रम के अंतर्गत निम्नलिखित भवनों का उद्घाटन किया गया–नई पुलिस लाईन, दुर्ग में स्थित 36 अराजपत्रित अधिकारियों एवं 48 प्रधान आरक्षक-आरक्षकों के नवनिर्मित आवास गृह, दुर्ग में स्थित नवनिर्मित ट्रांजिट हॉस्टल , नवनिर्मित थाना भवन पद्मनाभपुर, नवनिर्मित थाना भवन पुलगांव , नवनिर्मित पुलिस अनुविभागीय अधिकारी कार्यालय धमधा इस अवसर पर शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने अपने उद्बोधन में कहा कि राज्य सरकार द्वारा पुलिस बल एवं उनके परिवारों की सुविधाओं में निरंतर वृद्धि किए जाने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने पुलिस परिवारों की मांग पर सर्व-सुविधायुक्त सामुदायिक भवन के निर्माण, हाईमास्ट लाईट स्थापना तथा पुलिस आवासों के मरम्मत कार्य कराए जाने का आश्वासन भी दिया। कार्यक्रम में जिला दण्डाधिकारी दुर्ग अभिजीत सिंह द्वारा कहा गया कि जब आम नागरिक रात्रि में विश्राम करते हैं, तब पुलिस बल समाज की सुरक्षा में सतत रूप से ड्यूटी पर तैनात रहता है। नवनिर्मित आवासों से पुलिस कर्मियों की कार्यक्षमता एवं जीवन स्तर में सकारात्मक वृद्धि होगी। उक्त अवसर पर पुलिस उप महानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दुर्ग विजय अग्रवाल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर) दुर्ग सुखनंदन राठौर, पुलिस हाउसिंग कॉर्पोरेशन के एसडीओ नवीन वर्मा, भाजपा जिलाध्यक्ष सुरेन्द्र कौशिक, वार्ड पार्षद लोकेश्वरी ठाकुर सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारीगण उपस्थित रहे।

निगम आयुक्त ने किया जोन-3 मदर टेरेसा नगर का सघन निरीक्षण

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई के आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय ने जोन-3 मदर टेरेसा नगर क्षेत्र का विस्तृत निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने पावर हाउस सब्जी मार्केट, निर्माणाधीन डोम शेड और यातायात सुगमता के लिए प्रस्तावित सड़क चौड़ीकरण कार्यों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान जोन आयुक्त कुलदीप गुप्ता सहित निगम के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। आयुक्त ने पावर हाउस सब्जी मार्केट में साफ-सफाई की व्यवस्था देखी और इसे और अधिक व्यवस्थित करने के निर्देश दिए। वहीं पुलिस ग्राउंड लाल मैदान में बन रहे डोम शेड के कार्य स्थल का अवलोकन कर आवश्यक सुझाव दिए। पावर हाउस चौक पर अस्थायी दुकानों और गुमटियों के कारण बढ़ते ट्रैफिक को देखते हुए संचालकों को तत्काल अतिक्रमण हटाने की हिदायत दी गई।डॉ. भीमराव अंबेडकर मूर्ति के समीप नेशनल हाईवे से सटी सड़क के संकरे होने के कारण, यातायात को सुगम बनाने हेतु डिवाइडर को 1 मीटर पीछे करने पर चर्चा की गई।

इस्पात नगरी में जगह-जगह हुआ ध्वजारोहण

भिलाई। गणतंत्र दिवस पर इस्पात नगरी भिलाई में जगह-जगह ध्वजारोहण किया गया। इस दौरान विविध प्रतियोगिताएं हुई और मिष्ठान्न वितरित किया गया। जामा मस्जिद सेक्टर-6-भिलाई नगर मस्जिद ट्रस्ट सेक्टर-6 की ओर से यौमे जम्हूरिया (गणतंत्र दिवस) पर जामा मस्जिद के समीप स्थित मैदान में राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया। राष्ट्रगान के बाद छोटे बच्चों ने भी देशभक्ति की कविताएं और गीत सुनाए। मस्जिद के इमाम मौलाना इकबाल अंजुम हैदर ने शहीदों को याद कर संविधान की अहमियत बताई। ट्रस्ट के अध्यक्ष एम आसिम बेग ने राष्ट्र निर्माण और विकास के लिए समर्पित रहने का संकल्प दोहराया। वज़ी अहमद और मंजर हसन ने संविधान से जुड़ी बातें बताई। मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद मिर्ज़ा अशरफ बेग भूतपूर्व सेक्रेटरी भिलाई नगर मस्जिद ट्रस्ट, बैतुलमाल कमेटी के सदर हमीदुल्लाह सिद्दीकी, जमील अहमद, सेक्रेटरी सैयद हुसैन, अब्दुल हफीज़, जमील कुरैशी, अब्दुल जाकिर खान, अलीम सिद्दीकी, वज़ी अहमद ,शाहिद खान, अब्दुल कलाम, शमशेर खान, असदुद्दीन हैदर, मुर्तुजा हुसैन, हकीम चौधरी, रकीब खान, रफीक खान, फ़राज़ अहमद, मंजर हसन, मुहम्मद अनवर, मुहम्मद ज़मीर, फ़ैजान हसन, मुहम्मद साहिल, हनीफ खान, परवेज़ अशरफ, हन्नान खान और लेखक व पत्रकार मुहम्मद जाकिर हुसैन सहित कई लोग शामिल हुए। -हाउसिंग बोर्ड औद्योगिक क्षेत्रईदगाह मैदान हाउसिंग बोर्ड औद्योगिक क्षेत्र में पार्षद पीयूष मिश्रा ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। इस दौरान कैप्टन जमाल, रिटायर आर्मी ऑफिसर इलियास खान, रिटायर आर्मी ऑफिसर मोहम्मद जावेद सिद्दीकी, इरफान, भिलाई मुस्लिम एजुकेशन एंड वेलफेयर सोसाइटी और मस्जिद के इमाम हजरत ताज़िम अहमद जामई, नायब इमाम आसिफ रजा, सदर हाजी ताहिर सिद्दीकी, आसिफ सिद्दीकी, राशिद खान, हाजी मुश्ताक अहमद, हाजी एम एच सिद्दीकी और कमेटी के सदस्यों की मौजूदगी में ध्वजारोहण किया गया। दाऊ बाड़ा तालाब राधिका नगर भिलाई में ध्वजारोहण छत्तीसगढ़ शान्ति आव्हान एवं अनुसन्धान केन्द्र तिरंगा भवन के अध्यक्ष डॉ सुबहान खान ने तिरंगा फहराया। इस दौरान डॉ. सुबहान खान ने सर्वधर्म समभाव का संदेश दिया। अल मदद एजुकेशन एंड वेलफेयर सोसाइटी-अल मदद एजुकेशन एंड वेलफेयर सोसाइटी की ओर से सेक्टर-7 स्थित सड़क-25 के मैदान में ध्वजारोहण पार्षद लक्ष्मीपति राजू ने किया। ध्वजारोहण को सफल बनाने में का योगदान रहा। इस अवसर पर क्लास 1 से 8 तक के बच्चों के लिए ड्राइंग-पेंटिंग, कविता और नृत्य की प्रतियोगिता सड़क-19 क्वार्टर 6बी में रखी गई। जिसमें प्रथम द्वितीय तृतीय और सांत्वना वर्ग में बच्चों को सम्मानित कर उन्हें प्रोत्साहित किया गया। सोसायटी की ओर से गणतंत्र दिवस पर फिजियोथैरेपिस्ट डॉक्टर दुर्गेश शर्मा ने बच्चों को विशेष तौर पर व्यायाम और स्वस्थ रहने के लाभ बताए। आयोजन को सफल बनाने में अल मदद समिति की अध्यक्ष अंजुम अली, कौसर खान, कैसर इकबाल, नीलोफर सगीर, शबाना सिद्दीकी, आयशा फरहीन, रेहाना परवीन, शाहीन खान, लीना तजमीन, शम्सुन्निसा, दरख्शां अंजुम, दिलशाद, नरगिस, फरहीन अली और फरीदा अली सहित अन्य लोगों का योगदान रहा।

छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग
कार्यालय कार्यपालन अभियंता,
महानदी गोदावरी कछार, रायपुर (छ.ग.)

ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना

eProcurement Portal : https://eproc.cgstate.gov.in

(प्रथम आमंत्रण)

सिस्टम निविदा क्र. 184555/ निविदा सूचना क्र. 13/ वलेलि/2025-26, छुईखदान, दिनांक 29.01.2026

निम्नलिखित कार्यों के लिए दिनांक 19.02.2026 17:30 तक ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है :-

कार्य का नाम : खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले के विकासखण्ड खैरागढ़ अंतर्गत सोनपुरी व्यपवर्तन योजना के शीर्ष कार्य का जीर्णोद्धार एवं मरम्मत कार्य तथा मुख्य नहर आर.डी. 0 मी. से आर.डी. 4650 मी. तक जीर्णोद्धार एवं सीमेंट कांक्रीट लाईनिंग का कार्य साथ ही 01 नग डी.सी. 08 नग व्ही.आर.बी. पुराने पक्के कार्यों का मरम्मत एवं कुलाबा पाईप फिक्सिंग कार्य।

अनुमानित लागत : रुपये 336.56 लाख

अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेंट वेब साईट https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक 05.02.2026 समय 17:31 बजे से देखे तथा डाउनलोड किये जा सकते है।

नोट : निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in पर नामांकित/पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है।

कार्यपालन अभियंता
जल संसाधन संभाग, छुईखदान
कृते मुख्य अभियंता महानदी गोदावरी कछार,
जल संसाधन विभाग, रायपुर (छ.ग.)

जी- 252606374/3

दैनिक
विश्व परिवार

विचार-पक्ष

रायपुर, रविवार 01 फरवरी 2026

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

संपादकीय

साहित्य अकादमी पुरस्कारों पर उठा विवाद

राष्ट्रीय स्तर पर साहित्य, कला, सिनेमा आदि पर एक खास रंग चढ़ता नजर आया है। उसको लेकर दूसरी सोच की राजनीति से जुड़ी ताकतों में असहजता रही है। उससे चौड़ी होती गई खाई अब खुले विभाजन की वजह बन रही है। साहित्य अकादमी पुरस्कारों पर उठा विवाद भारतीय साहित्य में विभाजन की हद तक पहुंच गया है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने सात भारतीय भाषाओं के लिए अलग से पुरस्कार शुरू करने का एलान कर दिया है। अपने इस कदम की वजहों को लेकर स्टालिन ने कोई लाग-लपेट नहीं बरता। बल्कि दो टूक कहा- 'कुछ दिन पहले विजेताओं की सूची को अंतिम रूप दिए जाने के बाद केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय के दखल पर साहित्य अकादमी पुरस्कारों की घोषणा रद्द कर दी गई। हमें नहीं मालूम कि अब ये घोषणा होगी भी या नहीं। कला और साहित्य में हस्तक्षेप खतरनाक है।' स्टालिन ने कहा कि इस पर रचनात्मक प्रतिक्रिया दिखाते हुए प्रथम चरण में तमिलनाडु सरकार ने तमिल, तेलुगू, कन्नड़, मलयालम, ओड़िया, बांग्ला और मराठी भाषाओं के लिए हर साल सेमोझी साहित्य पुरस्कार देने का फैसला किया है। डीएमके 2.0 (यानी अगले विधानसभा चुनाव के बाद बनने वाली) सरकार इस पहल को मजबूत एवं विस्तृत करेगी। मतलब शायद यह कि पुरस्कार के दायरे में अन्य भाषाओं को भी लाया जाएगा। फिर भी, फिलहाल भाषाओं का जो चयन किया गया है, उसमें एक पैटर्न साफ दिखा है। इसमें हिंदी को अलग रखने का सियासी पैगाम साफ नजर आता है। यह तो खुद स्टालिन के बयान से स्पष्ट है कि इन पुरस्कारों का भविष्य अप्रैल-मई में होने वाले विधानसभा चुनाव के नतीजों पर निर्भर करेगा। इस रूप में ताजा एलान का चुनावी राजनीति से जुड़ाव भी साफ है। बहरहाल, मुद्दा यही है कि राष्ट्रीय स्तर पर साहित्य, कला, सिनेमा आदि को राजनीति से जोड़ने की प्रवृति तेजी से बढ़ी है। परिणास्वरूप इन माध्यमों पर एक खास रंग चढ़ता नजर आया है। उसको लेकर दूसरी सोच की राजनीति से जुड़ी ताकतों में असहजता है, यह तो काफी समय से जाहिर हो रहा था। अब खास बात यह हुई है कि वो बढ़ती खाई खुले विभाजन में तब्दील हो गई है। बेशक, ऐसी लामबंदी से साहित्य, कला, सिनेमा आदि के साथ-साथ राष्ट्रीय एकता के लिए भी चुनौतियां बढ़ती जा रही हैं। मगर आज की यही हकीकत है, जो अब अधिक चिंताजनक रूप ग्रहण कर रही है।

अजित पवार:आरोपों से ऊपर उठे राजनीति के दादा-पुरुष

ललित गर्ग

अजित पवार का जीवन किसी राजसी विरासत की सहज कहानी नहीं था। 22 जुलाई 1959 को अहमदनगर जिले के देओली प्रवरा क्षेत्र में जन्मे अजित पवार ने जीवन को बहुत करीब से संघर्ष करते हुए देखा। उनके पिता अनंतराव पवार फिल्म जगत से जुड़े रहे, राजकमल स्टूडियो में काम किया, लेकिन पारिवारिक परिस्थितियां साधारण रहीं। यह खबर केवल एक व्यक्ति के निधन की नहीं है, बल्कि महाराष्ट्र की राजनीति के एक पूरे युग के अचानक थम जाने की सूचना है। 28 जनवरी 2026 की सुबह जब बारामती में हुए विमान हादसे में उपमुख्यमंत्री अजित अनंतराव पवार के असामयिक निधन की पुष्टि हुई, तो वह क्षण केवल पवार परिवार के लिए नहीं, बल्कि समूचे महाराष्ट्र और देश की राजनीति के लिए गहरे शोक और स्तब्धता का कारण बन गया। जिस नेता को लोग अधिकार, अनुभव और निर्णय क्षमता का पर्याय मानते थे, उसका इस तरह अचानक चले जाना सत्ता, प्रशासन और राजनीतिक संतुलन में एक बड़ा रिक्त स्थान छोड़ गया है। एक संभावनाओं भरी महाराष्ट्र की राजनीति एवं राष्ट्रीय विचारों का सफर ठहर गया, उनका निधन न केवल महाराष्ट्र के लिये, भारत की राष्ट्रवादी सोच के लिये बल्कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की राष्ट्रवादी राजनीति पर एक गहरा आघात है, अपूरणीय क्षति है। उनके निधन से सहकारी आन्दोलन को भी गहरा धक्का लगा है। अजित पवार का जीवन किसी राजसी विरासत की सहज कहानी नहीं था। 22 जुलाई 1959 को अहमदनगर जिले के देओली प्रवरा क्षेत्र में जन्मे अजित पवार ने जीवन को बहुत करीब से संघर्ष करते हुए देखा। उनके पिता अनंतराव पवार फिल्म जगत से जुड़े रहे, राजकमल स्टूडियो में काम किया, लेकिन पारिवारिक परिस्थितियां साधारण रहीं। औपचारिक शिक्षा माध्यमिक स्तर तक ही सीमित रही, किंतु जीवन की व्यावहारिक पाठशाला ने उन्हें वह सिखाया जो बड़े-बड़े शैक्षणिक संस्थान भी नहीं सिखा पाते। शायद यही कारण रहा कि अजित पवार की राजनीति किताबों से नहीं, जमीन से निकली हुई राजनीति थी, जिसमें किसानों की पीड़ा, सहकारी संस्थाओं की ताकत और ग्रामीण अर्थव्यवस्था की नब्ज साफ दिखाई देती थी। राजनीति में उनका प्रवेश किसी बड़े मंच से नहीं, बल्कि सहकारी आंदोलन की प्रयोगशाला से हुआ। 1982 में मात्र बीस वर्ष की आयु में उन्होंने एक चीनी सहकारी संस्था का चुनाव लड़ा। यह वही दौर था जब महाराष्ट्र की राजनीति में सहकारी संस्थाएं सत्ता की रीढ़ मानी जाती थीं। अजित पवार ने बहुत जल्दी समझ लिया कि यदि ग्रामीण महाराष्ट्र को साधना है तो उसे बैंक, चीनी मिल, सिंचाई और बिजली से जोड़ना होगा। यही समझ आगे चलकर उनकी राजनीतिक पहचान की सबसे बड़ी ताकत बनी। 1991 अजित पवार के राजनीतिक जीवन का निर्णायक वर्ष रहा। पुणे जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष बनने के साथ ही उन्होंने वित्तीय प्रशासन और संगठन संचालन में अपनी दक्षता का परिचय दिया। सोलह वर्षों तक इस पद पर बने रहना अपने आप में उनकी विश्वसनीयता और पकड़ को दर्शाता है। उसी वर्ष बारामती से लोकसभा के लिए निर्वाचित होना उनके बढ़ते कद का प्रमाण था, लेकिन उन्होंने यह सीट अपने चाचा शरद पवार के लिए छोड़ दी। यह फैसला केवल पारिवारिक निष्ठा का नहीं, बल्कि राजनीतिक दूरदृष्टि का भी उदाहरण था। इसके बाद विधानसभा में प्रवेश और फिर लगातार बारामती से जीत ने उन्हें जनाधार का वह आधार दिया, जिसे महाराष्ट्र की राजनीति में विरले ही कोई चुनौती दे सका। अजित पवार को सत्ता के गलियारों में पहुंचाने वाली सबसे बड़ी विशेषता उनकी प्रशासनिक पकड़ थी। कृषि, बागवानी, बिजली और जल संसाधन जैसे कठिन और संवेदनशील विभागों को संभालते हुए उन्होंने विकास और विवाद दोनों को नजदीक से जिया। जल संसाधन मंत्री के रूप में कृष्णा घाटी और कोकण सिंचाई परियोजनाओं से उनका नाम जुड़ा। इन परियोजनाओं ने जहां किसानों के लिए पानी और उम्मीद का संदेश दिया, वहीं आलोचनाओं और आरोपों का बोझ भी उनके कंधों पर रखा। इसके बावजूद वे उन नेताओं में रहे जो फाइलों से नहीं, फैसलों से पहचाने जाते थे। उपमुख्यमंत्री के रूप में उनका सफर महाराष्ट्र की राजनीति में एक अनोखा अध्याय है। छह बार इस पद तक पहुंचना केवल राजनीतिक संयोग नहीं था, बल्कि सत्ता संतुलन, गठबंधन राजनीति और संगठनात्मक ताकत का परिणाम था। वे सरकार में अक्सर संकटमोचक की भूमिका में दिखे। बजट, वित्तीय प्रबंधन और संसदीय रणनीति में उनकी पकड़ ऐसी थी कि विरोधी भी उनके अनुभव को नजरअंदाज नहीं कर पाते थे। उन्हें महत्वाकांक्षी कहा गया, कभी-कभी कठोर और रूखे स्वभाव का नेता भी बताया गया, लेकिन यह भी सच है कि सत्ता की वास्तविकता को वे भावनाओं से नहीं, निर्णयों से देखते थे। विवाद उनके राजनीतिक जीवन का अभिन्न हिस्सा रहे। सिंचाई घोटाले से लेकर बयानबाजी तक, कई मौके ऐसे आए जब उनकी छवि पर प्रश्नचिह्न लगे। अगर बांध में पानी नहीं है तो क्या पेशाब करके भरें? जैसे बयान ने उन्हें आलोचनाओं के केंद्र में ला खड़ा किया। उन्होंने माफी भी मांगी, सफाई भी दी और समय के साथ उन विवादों से उबरते हुए फिर सत्ता के शीर्ष पर लौटे। यह उनकी राजनीतिक जिजीविषा का प्रमाण था कि आलोचना और आरोप उन्हें रोक नहीं पाए। शरद पवार के साथ उनके रिश्ते को लेकर भी हमेशा चर्चाएं रहीं। कभी मतभेद, कभी दूरी और कभी सियासी अलग राह की अटकलें। लेकिन अजित पवार स्वयं को हमेशा शरद पवार का अनुयायी बताते रहे। उन्हें मिला दादा का संबोधन केवल पारिवारिक नहीं था, बल्कि वह एक राजनीतिक ब्रांड बन चुका था, जो उनके समर्थकों में भरोसे और नेतृत्व की भावना जगाता था। वे संगठनकर्ता भी थे और प्रशासक भी, रणनीतिकार भी और जमीनी नेता भी। उन्हें अपनी विविध आयामी भूमिकाओं से अपने को मिले 'दादा' के अलंकरण को सार्थक भी किया और जीवंतता भी दी। उनका असामयिक निधन एक क्रूर विडंबना है। जिस नेता ने दशकों तक सत्ता की उड़ान भरी, उसकी जीवन यात्रा एक विमान हादसे में थम गई। कहा जाता है कि दुर्घटना से कुछ समय पहले तक वे पूरी तरह सक्रिय थे, योजनाओं, बैठकों और राजनीतिक समीकरणों में व्यस्त। यह अचानक आई मृत्यु उस अनिश्चितता को रेखांकित करती है, जो सत्ता और जीवन दोनों के साथ जुड़ी है। अजित पवार का व्यक्तित्व एवं कृतित्व सफल राजनेता, समाज निर्माता, ग्राम-उद्धारक, सहकारी आन्दोलन पुरोधा, कुशल प्रशासक के रूप में अनेक छवि, अनेक रंग, अनेक रूप में उभरकर सामने आता हैं। आपके जीवन की दिशाएं विविध एवं बहुआयामी थीं। आपके जीवन की धारा एक दिशा में प्रवाहित नहीं हुई, बल्कि जीवन की विविध दिशाओं का स्पर्श किया। यही कारण है कि कोई भी महत्त्वपूर्ण क्षेत्र आपके जीवन से अछूता रहा हो, संभव नहीं लगता। आपके जीवन की खिड़कियाँ समाज एवं राष्ट्र को नई दृष्टि देने के लिए सदैव खुली रही। उनकी सहजता और सरलता में गोता लगाने से ज्ञात होता है कि वे राजनीतिक सरोकार से ओतप्रोत एक अल्हड़ एवं साहसिक व्यक्तित्व थे। बेशक अजित पवार अब इस दुनिया में नहीं हैं लेकिन अपने जुझारु राजनीति जीवन के दम पर वे हमेशा भारतीय राजनीति एवं राष्ट्रवादी सोच के आसमान में एक सितारे की तरह टिमटिमाते रहेंगे।आज जब महाराष्ट्र और देश उनके निधन पर शोकाकुल है, तब अजित पवार का मूल्यांकन केवल प्रशंसा या आलोचना के तराजू पर नहीं किया जा सकता। वे विवादों से घिरे रहे, लेकिन उनसे परिभाषित नहीं हुए। उनकी राजनीति कठोर थी, लेकिन उसमें अनुभव की गहराई थी। वे लोकप्रियता से अधिक प्रभाव में विश्वास रखते थे। शायद यही कारण है कि उनके जाने से महाराष्ट्र की राजनीति में एक ऐसा सन्नाटा है, जिसे शब्दों में बांधना कठिन है।

आलेख

बिना रुकावट के शासनः बुनियादी ढांचे के लिए भारत की संस्थागत संरचना

अरिहन्त कुमार

आज़ादी के बाद से, बुनियादी ढांचे ने भारत की प्रगति की सोच को आकार दिया है। कल्पना साफ़ थी: रेलवे दूर-दराज के इलाकों को जोड़ेगी, राजमार्ग राज्यों के बीच व्यापार करेंगे, बांध ऊर्जा और सिंचाई का आधार बनेंगे, और बिजली की लाइनें सबसे दूर के गांवों तक रोशनी पहुंचाएंगी। जैसे-जैसे प्रोजेक्ट बड़े होते गए, वे और भी उलझते गए। ज़मीन मंज़ूरी का इंतज़ार करती रही, मंज़ूरी डिज़ाइनों का इंतज़ार करती रहीं, डिज़ाइन उपयोग बदलने का इंतज़ार करते रहे, और इसके लाभ दूसरे कार्यालय, दूसरे अधिकार क्षेत्र, दूसरी फ़ाइल में दबी मंज़ूरियों का इंतज़ार करती रहीं। हर देरी का एक कारण था, हर कारण का कोई जिम्मेदार था, और फिर भी कोई भी असल में नतीजे की ज़िम्मेदारी नहीं लेता था। सालों तक, अनेक परियोजनाएं टुकड़ों-टुकड़ों में चलती रही, जिनकी समीक्षा अलग-अलग की गई, बाद में सफाई दी गई, और हमेशा के लिए देरी होती रही। जब तरक्की रुकी, तो ज़िम्मेदारी प्रक्रिया में घुल गई। हर जगह हलचल थी, लेकिन कहीं भी गति नहीं थी। जिस चीज़ की कमी थी, वह इरादा या निवेश नहीं था, बल्कि एक ऐसा फोरम था जहाँ आपस में जुड़ी हुई रुकावटों को एक साथ देखा जा सके, एक साथ सुलझाया जा सके और उन्हें खत्म किया जा सके। प्रोजेक्ट गवर्नेंस में इसी शांत लेकिन महत्वपूर्ण कमी को प्रगति के नेतृत्व वाले इकोसिस्टम ने भरने का बीड़ा उठाया। प्रगति, समीक्षा की एक नई परत के रूप में नहीं आई, बल्कि एक ऐसे जंक्शन के रूप में आई जहाँ समानांतर ट्रैक आखिरकार मिले। इसकी कल्पना 2015 में की गई, यह देखने में एक आसान सा विचार था: कि निगरानी से फैसले होने चाहिए, और फैसलों का नतीजा डिलीवरी होना चाहिए। प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में, यह केन्द्रीय सचिवों और राज्य के मुख्य सचिवों को एक साथ लाया, और उन लोगों को एक साथ जोड़ा जिनके पास राष्ट्रीय महत्व की परियोजनाओं और उनकी रुकावटों के बारे में एक ही, साझा नज़रिए के साथ काम करने की शक्ति थी। उस कमरे में, देरी अब भाषा के पीछे छिप नहीं सकती थी। विशेष उपलब्धियों की जांच की गई, मुद्दों को सामने लाया गया, और सीधे सवाल पूछे गए। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि ज़िम्मेदारी का एक नाम, एक निर्धारित समय और वापस आने की तारीख तय की गई। फिर भी, प्रगति की असली कहानी सिर्फ़ इन उच्चस्तरीय समीक्षाओं के दौरान सामने नहीं आती। यह उस शांत, लगातार चल रहे काम में ज़िंदा रहती है जो इनसे पहले और बाद में होता है। यह तैयारी का अनुशासन, संस्थागत स्मृति और फॉलो-थ्रू प्रोजेक्ट मॉनिटरिंग ग्रुप (पीएमजी) द्वारा प्रदान किया जाता है, जो इस ईकोसिस्टम परिचालन की रीढ़ है। मैंने पीएमजी को उस तरह से बढ़ते देखा है जैसे संस्थाएं शायद ही कभी बढ़ती हैं, धैर्य और उद्देश्य के साथ। जो एक साधारण डिजिटल इंटरफ़ेस के रूप में शुरू हुआ था, वह एक परिपक्व, टेक्नोलॉजी-संचालित, उपलब्धियों पर आधारित निगरानी प्लेटफ़ॉर्म में विकसित हो गया है जिसने भारत में बुनियादी ढांचा परियोजनाओं पर नजर रखने और समाधान का तरीका बदल दिया है। इस वास्तुकला के भीतर, पीएमजी समेकन और विश्लेषण के पहले बिंदु के रूप में कार्य करता है, जो प्रहरी और संचारक दोनों के रूप में काम करता है। टीम परियोजनाओं पर बारीकी से नजर रखती है, ज़मीनी हकीकत सुनती है, दावों को प्रमाणित करती है, और जटिल इनपुट को प्रगति के तहत उच्च-स्तरीय समीक्षाओं के लिए संरचित जानकारियों में बदलती है। जो जानकारी पहले फ़ाइलों, पत्राचार और समय-समय पर होने वाली समीक्षाओं में बिखरी रहती थी, वह अब एक ही डिजिटल सिस्टम में समेकित हो गई है, जिसमें प्रगति, लागत, समय-सीमा, उपलब्धि और ज़मीन से मिली तस्वीरों के सबूतों पर वास्तविक समय के आंकड़े शामिल हैं। आज, कैबिनेट द्वारा स्वीकृत प्रोजेक्ट मंज़ूरी के कुछ ही दिनों के भीतर सिस्टम में आ जाते हैं, उनकी यात्रा लगातार डेटा प्रवाह के माध्यम से मैप की जाती है जिससे पिछली रिपोर्टिंग के बजाय मौजूदा वास्तविकताओं के आधार पर निर्णय लिए जाते हैं। इस प्लेटफॉर्म की सबसे खास बात इसकी ढांचागत परियोजना और इश्यू ट्रैकिंग फ्रेमवर्क है।

शासन को इरादा नहीं, डिलिवरी परिभाषित करती है

टी.के. रामचंद्रन

सरकार के दो परिवर्तनकारी कदमों—पीएम गति शक्ति और प्रगति—का विशाल परियोजनाओं की योजना बनाने, उन्हें कार्यान्वित करने और उनकी निगरानी करने पर गहरा असर पड़ा है। इस लेख में हम बाद वाले कदम के बारे में चर्चा कर रहे हैं। प्रगति (प्रो-एक्टिव गवर्नेंस एंड टाइमली इम्प्लीमेंटेशन) प्रारूप के तहत आयोजित 50वीं उच्च-स्तरीय समीक्षा दर्शाती है कि शासन के प्रति भारत सरकार के रुख और उसे संचालित करने के तरीके में बहुत बड़ा बदलाव आया है। यह बदलाव नीयत से डिलिवरी की ओर, प्रक्रियागत अनुपालन से परिणामों की ओर तथा बिखरी हुई सत्ता से समन्वित एवं समयबद्ध कार्यान्वयन की ओर संकेत करता है। इस प्रकार प्रगति केवल एक प्रशासनिक नवाचार भर नहीं है; बल्कि यह शासन की संरचना की सोच-विचार कर की गई पुनर्रचना का प्रतिनिधित्व करता है। ऐसे में सवाल यह उठता है कि जब शासन के अन्य मॉडल विफल रहे, तब यह मॉडल परिणाम देने में कैसे सफल हुआ? सार्वजनिक परियोजनाओं में देरी होना लगभग आम बात रही है। फिर भी, शायद ही कभी इस देरी कारण नीति में स्पष्ट जानकारी या वित्तीय मंजूरी का अभाव रहा। शासन प्रणालियों का बिखराव इस देरी का कारण रहा है। मंत्रालय ऊपरी से निचले स्तर तक या वर्टिकली कार्य करते हैं; राज्य और केंद्र क्रमिक रूप से काम करते हैं; और विवाद निपटाने के अधिकार-संपन्न मंच न होने के कारण, विवाद लंबित पड़े रहते हैं। गतिविधियाँ बढ़ने के बावजूद जवाबदेही कमज़ोर होती जाती है। मुख्य समस्या कमज़ोर तालमेल और साइलो-बेस्ड समीक्षा तंत्र रही हैं। इसके परिणामस्वरूप, परियोजना की डिलिवरी का व्यापक उद्देश्य अक्सर कहीं खो जाता है। कई परियोजनाएँ जमीनी विवाद, पर्यावरण या वन मंजूरी, नियामक अनुमोदन, संविदा से जुड़े विवादों या राज्यों के बीच तालमेल संबंधी चुनौतियों के कारण वर्षों तक अटकी रहीं। एक बहु-मंत्रालयीय और बहु-राज्यीय राजनीतिक अर्थव्यवस्था में, जहाँ प्रत्येक संस्था अपने अधिकार क्षेत्र पर प्रभुत्व जमाए हुए होती है, किसी के लिए भी दूसरे को राजी करना कठिन हो जाता है। जब परियोजना की पूर्ति में कई राज्यों और मंत्रालयों को योगदान देना होता है, तो बैठकें करने, चर्चा करने, फील्ड दौरे करने, समितियाँ बनाने और अंतहीन पत्राचार करने की पुरानी प्रक्रिया बेअसर साबित होती है। यह एक ऐसा तरीका था, जिसमें चर्चा को निर्णय, गतिविधि को काम, गति को प्रगति और केवल नीयत को उपलब्धि समझ लिया जाता था। प्रगति निर्णय लेने, समन्वय करने और लागू करने के तरीके को नए तरीके से डिजाइन कर लगातार बनी रहने वाली इन संरचनात्मक कमियों को दूर करता है। प्रणालीगत समन्वयक के रूप में काम करते हुए यह मंत्रालयों, राज्यों और जिलों के निर्णयकर्ताओं को एक ही संस्थागत और डिजिटल मंच पर लाता है। यह फ़ाइलों के आदान-प्रदान, क्षेत्राधिकार की अस्पष्टता और विभागीय पत्राचार के कारण होने वाली देरी को समाप्त करता है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि यह कार्यान्वयन का विस्तृत दृष्टिकोण बहाल करता है, जिससे नेतृत्व फ़ाइलों की लंबित स्थिति के बजाय प्रणाली से संबंधित रुकावटों की पहचान कर सकता है। प्रगति के तहत होने वाली समीक्षा की अध्यक्षता करने में माननीय प्रधानमंत्री की भूमिका इसकी सफलता के लिए बहुत जरूरी है। उनका सीधा जुड़ाव इस बात का स्पष्ट संकेत देता है कि डिलिवरी राष्ट्रीय प्राथमिकता है और कार्यान्वयन की विफलताओं पर सर्वोच्च स्तर पर ध्यान दिया जाएगा। यह निर्णायक कार्रवाई को सुगम बनाता है और समीक्षा को परिणामों के लिए एक बाध्यकारी ढांचे में बदल देता है। इन समीक्षाओं के दौरान लिए गए निर्णय अंतिम, समयबद्ध और डिजिटल रूप से रिकॉर्ड किए जाते हैं, जिससे जवाबदेही स्पष्ट और लागू करने योग्य होती है। प्रौद्योगिकी महत्वपूर्ण सक्षमकर्ता के रूप में कार्य करती है। रीयल-टाइम डेटा, जियो-स्पैशियल विज़ुअलाइज़ेशन और क्षेत्रीय अधिकारियों के साथ सीधे संवाद हितधारकों के बीच जानकारी की असमानता समाप्त करते हैं और निर्णयों को साक्ष्यों के आधार पर लिया जाना सुनिश्चित करते हैं। महत्वपूर्ण बात यह है कि प्रौद्योगिकी प्रशासनिक निर्णय क्षमता को बदलने के बजाय उसे सुदृढ़ करती है, जिससे प्रणाली के भीतर नेतृत्व की जिम्मेदारी और मजबूत होती है। प्रगति में समापन पर जोर दिया जाता है और यही बात उसे पहले के समीक्षा तंत्रों से अलग बनाती है। समस्याएँ तब तक सक्रिय रहती हैं, जब तक उन्हें हल नहीं किया जाता, और उन्हें लगातार कैबिनेट सचिवालय और प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा ट्रैक किया जाता है। केवल स्पष्टीकरण देना अब परिणामों का विकल्प नहीं है। समय के साथ, इस अनुशासन ने प्रशासनिक व्यवहार को बदल दिया है, जिससे मंत्रालयों और राज्यों को समस्याओं का पूर्वानुमान लगाने और उन्हें बढ़ने से पहले हल करने की प्रवृत्ति बढ़ी है परिणाम स्पष्ट रूप से दिखाई देते हैं और आकलन करने योग्य हैं। 85 लाख करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं में तेज़ गति से काम हुआ गई है। हाल के वर्षों में, प्रगति के तहत पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय (एमओपीएसडब्ल्यू) की दस परियोजनाओं की समीक्षा की गई, जिससे अड़चनों का जल्द समाधान हुआ और तेज़ी से कार्यान्वयन संभव हुआ। मैं उदाहरण के रूप में दो परियोजनाओं को प्रस्तुत करूँगा। लोथल में राष्ट्रीय समुद्री धरोहर परिसर (एनएमएचसी) एक विशाल परियोजना है, जिसमें केंद्र सरकार के संस्कृति, रक्षा, विदेश, रेल और राजमार्ग जैसे कई मंत्रालयों के साथ-साथ गुजरात सरकार भी शामिल हैं। साथ ही, कई तटीय राज्यों के पवेलियन स्थापित किए जाने हैं, इसलिए संबंधित राज्य भी इस परियोजना का हिस्सा हैं। पिछले वर्ष एनएमएचसी परियोजना को प्रगति के एजेंडे में शामिल करने से कई स्तरों पर तुरंत कार्रवाई शुरू हो गई। सामान्यत: एजेंडे को प्रधानमंत्री द्वारा समीक्षा से कुछ महीने पहले सूचित किया जाता है, जिससे विभिन्न हितधारकों को प्राथमिकता के साथ मुद्दों को हल करने का अवसर मिलता है।

दुनिया के लिए प्रेरक बनता भारत का चुनावी तंत्र

उमेश चतुर्वेदी

जिस वक्त घरेलू मोर्चे पर भारतीय चुनाव प्रणाली और मशीनरी सवालों के घेरे में है, उसी वक्त भारतीय चुनाव आयोग को इस प्रतिष्ठित संस्था की अगुआई मिली है। घरेलू मोर्चे पर विपक्षी दलों की ओर से चुनाव आयोग पर कभी वोट चोरी का आरोप लगाया जाता है तो कभी नकारा बताया जाता है। स्वाधीनता के बाद जिस लोकतांत्रिक व्यवस्था को हमने अपनाया, वह हमारी अपनी नहीं, पश्चिम से आयातित है। दिलचस्प है कि आज यही व्यवस्था दुनियाभर में शासन की बेहतर प्रणाली के रूप में स्वीकार्य है। इसकी बुनियाद में इंग्लैंड की सन् 1215 में हुई मैग्नाकार्टा की संधि है। आज का लोकतंत्र इसी संधि से निकले कानूनों और परंपराओं से विकसित हुआ है। जबकि भारतीय लोकतांत्रिक व्यवस्था के मूल में भारतीय दिलों की पारंपरिक लोकतांत्रिक सोच है। दुर्भाग्य से भारतीय लोकतांत्रिक प्रणाली की महत्ता को दुनिया हाल तक स्वीकार करने से हिचकती रही है। ऐसे माहौल में अंतरराष्ट्रीय लोकतांत्रिक एवं चुनावी सहायता संस्थान की अगुआई भारत को मिलना मामूली बात नहीं है। अंग्रेजी में इस संस्थान को इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर डेमोक्रेटिक एंड इलेक्टोरल असिस्टेंस यानी आईडीईए के नाम से जाना जाता है। यह इस बात का प्रतीक है कि भारतीय लोकतंत्र की अहमियत वैश्विक स्तर पर स्वीकार्य हो रही है। वैश्विक लोकतांत्रिक परिदृश्य के लिहाज से भारत को मिली अगुआई ऐतिहासिक है। 1995 में 14 देशों द्वारा स्थापित इस संगठन के सदस्य देशों की संख्या अब 37 हो चुकी है। संयुक्त राज्य अमेरिका और जापान स्थायी पर्यवेक्षक के तौर पर इस संगठन में शामिल हो चुके हैं। करीब आठ अरब जनसंख्या वाली दुनिया के करीब दो अरब बीस करोड़ पंजीकृत मतदाता इसी संगठन के सदस्य देशों के पास हैं। जिसमें भारत की हिस्सेदारी 99 करोड़ 10 लाख से ज्यादा है। आंकड़ों से साफ है कि सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश भारत है। इस लिहाज से देखें तो भारत की अध्यक्षता उसके लिए औपचारिक दायित्व से कहीं ज्यादा वैचारिक नेतृत्व का अवसर हो सकती है। इस संगठन में सदस्य देशों के चुनाव आयोग या चुनाव कराने वाली संस्थाएं ही शामिल होती हैं, लिहाजा भारतीय चुनाव आयोग इस संस्था का सदस्य है। जाहिर है कि इसी नाते अध्यक्षता भी आयोग के ही पास है। जिस वक्त घरेलू मोर्चे पर भारतीय चुनाव प्रणाली और मशीनरी सवालों के घेरे में है, उसी वक्त भारतीय चुनाव आयोग को इस प्रतिष्ठित संस्था की अगुआई मिली है। घरेलू मोर्चे पर विपक्षी दलों की ओर से चुनाव आयोग पर कभी वोट चोरी का आरोप लगाया जाता है तो कभी नकारा बताया जाता है। ऐसे वातावरण में चुनाव आयोग को आईडीईए की अध्यक्षता मिलना सामान्य बात नहीं, बल्कि भारतीय चुनाव प्रणाली की वैश्विक स्वीकृति और प्रतिष्ठा का प्रतीक है। दुनिया अब तक लोकतंत्र को पश्चिमी मॉडल के चश्मे से ही देखती रही है। जबकि इसके मूल में लोकतांत्रिक आत्मा नहीं, बाजार केंद्रित राजनीतिक ढांचा है, जहां व्यक्ति की बजाय संस्थाओं की स्वाधीनता और संसदीय परंपराओं पर जोर है। संचार और सूचना क्रांति एवं आर्थिक बदलावों के चलते आज का मतदाता बेहद जागरूक हो चला है। वह अपनी निजी राय की अहमियत की भी चाहत रखता है। इस वजह से पश्चिमी मॉडल वाली लोकतांत्रिक व्यवस्था को लेकर सोच बदली है। भारतीय लोकतंत्र और चुनावी व्यवस्था अगर तनकर खड़ी है, तो उसके पीछे इन वैचारिक बदलावो का बड़ा योगदान है। एक अरब की भारी-भरकम मतदाता संख्या वालेभारतीय चुनावी तंत्र में भागीदारी बढ़ना मामूली बात नहीं है। इसे भारतीय चुनावी तंत्र की लचीली किंतु मजबूत व्यवस्था की सफलता के रूप में भी देखा जाना चाहिए। भारतीय चुनावी प्रबंधन में बढ़ते नवाचार, डिजिटल चुनावी प्रबंधन पर जोर, दिव्यांग और दूरस्थ मतदाताओं तक बढ़ती पहुँच, के लिए चुनाव आयोग की सोच ज्यादा जिम्मेदार है। चुनावी साक्षरता बढ़ाने को लेकर चुनाव आयोग ने जितने प्रयोग किए हैं, वैसा उदाहरण कहीं और नहीं दिखता। विपक्षी सवालों के बावजूद चुनावों में अगर मतदाता भागीदारी बढ़ी है, तो माना जा सकता है कि चुनाव आयोग के प्रति भरोसा कम नहीं हुआ है। इस लिहाज से देखें तो भारतीय लोकतांत्रिक व्यवस्था की पहुंच पुस्तकालयों और विमर्श के संस्थागत मंचों की बजाय बूथ और अंतिम व्यक्ति तक बढ़ी है। इस संदर्भ में चुनाव आयोग की अध्यक्षता में 21 से 23 जनवरी के बीच आईडीईए देशों के चुनाव प्रमुखों और अधिकारियों की होने जा रही बैठक बेहद अहम हो जाती है। माना जा रहा है कि आयोग से दुनियाभर के अधिकारी जानना चाहेंगे कि मतदाताओं की भारी संख्या के बावजूद आयोग उन तक कैसे पहुंचता है और चुनाव प्रणाली की पवित्रता कैसे बरकरार है। चुनावी पवित्रता की नाभि-नाल पारंपरिक लोकतांत्रिक प्रणाली से जुड़ी है। प्राचीन भारत का बज्जि गणतंत्र आधुनिक प्रणाली से कहीं ज्यादा लोकतांत्रिक और लोकोन्मुखी था।

दैनिक
विश्व परिवार

रायपुर/धर्म समाज/देश

रायपुर, रविवार 1 फरवरी 2026

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

गणतंत्र दिवस पर शहीदों को याद किया गया

रायपुर (विश्व परिवार)। शंकर नगर में शुभारंभ ग्रुप द्वारा 77 वें गणतंत्र दिवस पर महिलाओं ने तिरंगा कलर की ड्रेस पहनकर शहीदों को याद किया गया। इसी कड़ी में बदलते मौसम पर स्वास्थ पर एक ट्रेनिंग रखी गई। जिसमे डॉ. ज्योति जी ने त्वचा संबंधी जानकारी भी दी। संस्था की अध्यक्षा सीमा कंटकार सहित गौरी अवधीया भी सहयोग दिया। सचिव अरुणा यादव को भारतीय स्त्री शक्ति छतीसगढ़ द्वारा राज्य स्तरीय सम्मान मिलने की बधाई भी दी गई। शीला प्रजापति अंत में आभार व्यक्त किया।

श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी में हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ चतुर्थ दीक्षांत समारोह

रायपुर (विश्व परिवार)। श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी, रायपुर में दिनांक 30 जनवरी 2026 को विश्वविद्यालय का चतुर्थ दीक्षांत समारोह अत्यंत गरिमामय, भव्य एवं अनुशासित वातावरण में हर्षोल्लासपूर्वक संपन्न हुआ। यह समारोह विद्यार्थियों की शैक्षणिक उपलब्धियों, सतत परिश्रम एवं उत्कृष्टता का गौरवपूर्ण उत्सव रहा, जिसमें विभिन्न संकायों के उपाधि प्राप्त विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया।

दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता महामहिम राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय के कुलाध्यक्ष श्री रमेन डेका जी ने की। समारोह में मुख्य एवं विशिष्ट अतिथियों का अभिनंदन विश्वविद्यालय के माननीय कुलाधिपति, परम पूज्य अनंत श्री विभूषित श्री रवि शंकर जी महाराज द्वारा किया गया।

इस अवसर पर विशिष्ट अतिथियों के रूप में माननीय श्री रामविचार नेताम जी, मंत्री—जनजातीय विकास, कृषि विकास एवं कृषक कल्याण, जैव-प्रौद्योगिकी, मत्स्य एवं पशुपालन विकास, छत्तीसगढ़ शासन; माननीय श्री श्याम बिहारी जायसवाल जी, मंत्री—लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, चिकित्सा शिक्षा, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विकास तथा बीस सूत्री कार्यक्रम क्रियान्वयन, छत्तीसगढ़ शासन; तथा माननीय विधायक श्री पुरंदर मिश्रा जी की गरिमामयी उपस्थिति ने समारोह की शोभा बढ़ाई।

साथ ही प्रो. विजय कुमार गोयल जी, चेयरमैन, छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग, की उपस्थिति ने इस शैक्षणिक आयोजन को विशेष गरिमा प्रदान की।

दीक्षांत समारोह के दौरान विश्वविद्यालय के मेधावी विद्यार्थियों को कुल 19 स्वर्ण पदक प्रदान किए गए। इसके अतिरिक्त 53 शोधार्थियों को पीएच.डी. उपाधि, 513 विद्यार्थियों को स्नातकोत्तर, 600 विद्यार्थियों को स्नातक तथा 282 विद्यार्थियों को डिप्लोमा उपाधियाँ प्रदान की गईं।

उपाधि प्राप्त करते समय विद्यार्थियों के चेहरों पर आत्मविश्वास, उल्लास एवं उपलब्धि का भाव स्पष्ट रूप से परिलक्षित हुआ।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के माननीय मुख्य कार्यकारी अधिकारी विशाल गर्ग, प्रतिकुलाधिपति प्रो. एस. भट्टाचार्य, कुलपति - प्रो. सौरभ चतुर्वेदी, एवं कुलसचिव डॉ. कमल कुमार प्रधान ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उन्हें उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं तथा कहा कि दीक्षांत समारोह जीवन के एक महत्वपूर्ण पड़ाव का प्रतीक है, जो विद्यार्थियों को उच्च मूल्यों के साथ आगे बढ़ने एवं समाज व राष्ट्र के प्रति अपनी जिम्मेदारियों के निर्वहन की प्रेरणा देता है।

विवाह अणुव्रत संस्कार महोत्सव कल

धैर्य बुद्धि विवेक व संकल्प से किए गए कार्य हमेशा होते हैं सफल

■ 3 दिगम्बर जैन संघों के 48 संतों का मिलन

जयपुर (विश्व परिवार)। साधना महोदधि अन्तर्मना आचार्य प्रसन्न सागर महाराज ससंम के सानिध्य में मानसरोवर के शिप्रा पथ बी टी रोड स्थित हाऊसिंग बोर्ड ग्राऊंड पर चल रहे आठ दिवसीय भगवत जिनेन्द्र महा अर्चना महोत्सव एवं विश्व शांति महायज्ञ अनुष्ठान में शुक्रवार को सार्यकाल तीन दिगम्बर जैन संघों के 48 संतों का भव्य मिलन हुआ। इस मौके पर आस पास का वातावरण जयकारों से गुंजायमान हो उठा।

इस मौके पर आचार्य प्रसन्न सागर महाराज, आचार्य सुन्दर सागर महाराज एवं आचार्य शशांक सागर मुनिराज के संयों का मिलन का मनोरम दृश्य देखकर श्रद्धालु भाव विभोर हो उठे। मिलन के मौके पर आसमान से गुलाब के पुष्पों की चरसात ने पूरे ग्राऊंड को गुलाबी रंग में रंग दिया। अंतर्मना आचार्य प्रसन्न सागर महाराज जयपुर प्रवास समिति के अध्यक्ष सुभाष चन्द जैन एवं महामंत्री विनोद जैन कौटखावदा ने बताया कि आचार्य सुन्दर सागर महाराज व आचार्य शशांक सागर मुनिराज 32 पिच्छीका के संघ सहित चैण्ड बाजों के साथ अग्रवाल फार्म बड़ी मार्केट स्थित श्री पार्शवनाथ दिगम्बर जैन मंदिर से वैण्ड बाजों के साथ रवाना होकर शिप्रा पथ होते हुए अरावली पथ के तिराहे पर पहुंचे जहां आचार्य प्रसन्न सागर महाराज संघ के उपाध्याय पियूष सागर महाराज के सानिध्य में दोनों आचार्यों की भव्य अगवानी की गई।

तीनों संभों के सभी संत जुलूस के रुप में चारित्र शुद्धि महामण्डल विधान ग्राऊंड के मुख्य द्वार पर पहुंचे जहां आचार्य प्रसन्न सागर महाराज ने दोनो आचार्यों की भव्य अगवानी की। तीनों आचार्यो के आपस में गले मिलने पर राम भरत लक्ष्मण के मिलाप के दृश्य की यादे ताजा हो गई। आचार्य, मुनि आर्यिका माताजी, क्षुल्लक सहित

क्षुल्लकारे आपस में गले मिली तो श्रद्धालु जयकारों लगाते रहे। मिलन के बाद सारे संत मंच पर पहुंचे। जहां धर्म सभा का आयोजन किया गया। पुनि नैगम सागर महाराज ने देखलो जानलो साधु को... मंगलाचरण कर शुभारंभ किया। आचार्य शशांक सागर महाराज ने अपने उदबोधन में कविता के माध्यम से कहा कि वो पल बड़े खुशनसीब होते हैं जिन पलों में संतो के दर्शन नसीब होते है।

आचार्य सुन्दर सागर महाराज ने कहा कि हम सब एक ही बगिया के फूल है। हमारे गुरु दिव्य तपस्यी सम्मति सागर महाराज की तरह ही अंतर्मना की साधना तपस्या भी ऊचाईयां प्राप्त करे। अंतर्मना आचार्य प्रसन्न सागर महाराज ने धर्म सभा में कहा कि मन, भाव और विचार ऐसे रखो कि आपके मन की निश्छलता, भावों की विशुद्धि, और विचारों की पारदर्शिता पर लोग विचार करें। अच्छा सोचे, अच्छा देखे, अच्छा बोले, अच्छा सुने, अच्छा करे, और सबके प्रति सदभाव प्रेम बनाकर बले फिर देखें, सफलता कैसे आपके चरण घूमती है। जीवन की सफलता के लिए मस्तिष्क में आइस की फैक्ट्री और जुबान पर शूगर की मशीन लगायें। जो लोग धैर्य, विवेक बुद्धि, और संकल्प के श्रम से अपने कार्य को अंजाम देते हैं, वही लोग सफलताओं के शिखर पर पहुंच पाते है। जो जीवन में आने वाली हर एक समस्या को समता की बुहारी से अपने मार्ग को बुहारते चले जाते हैं, वे लोग ही हँसते मुस्कुराते हुये एकदिन अपने लक्ष्य को पा लेते हैं।

■ विनोद जैन

आचार्य श्री को श्रीफल भेंट किया

दिगंबर जैन आचार्यश्री प्रसन्न सागर जी महाराज ससंघ को नैमिसागर कालोनी में प्रवास हेतुसमाज द्वारा श्रीइल भेंटकर निमंत्रित किया गया। श्री नेमिनाथ दिगंबर जैन समक्ष समिति के अध्यक्ष जे के जैन कालाडेर ने बताया कि संघ में वर्तमान में 16 मुनि पर्व आर्थिकायें सम्मिलित है। इस अवसर पर श्रेष्ठी विमल पाटनी, पूनमटोलिया, प्रदीप निगोलिया, संजीव कासलीवाल, विजय बडजात्या, विरेंद्र गोधा, जैना गंगवाल मुन्नी ठोलिया संतोष बाकलीवाल समाज की महिलाएं पर्व अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। दम्पतियों के लिए विशेष रूप से आयोजित होने वाले इस महोत्सव में इन दम्पति सदस्यों को आदर्शमयी वैवाहिक जीवन एवं संयम और संस्कार युक्त आचरण के बारे में बताते हुए जीवन में सामंजस्य एवं समन्वय स्थापित कर आपसी रिश्ते में मजबूती एवं सफलता के बिन्दु बताए जाएंगे। नरेंद्र अजमेरा पियुष कासलीवाल औरंगाबाद

दिव्यांग बच्चों के बीच पहुंचे मुख्यमंत्री साय

■ नारायणपुर के परीयना दिव्यांग आवासीय विद्यालय को बस देने की घोषणा

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय आज नारायणपुर जिले के गरांजी स्थित परीयना दिव्यांग आवासीय विद्यालय में अचानक छात्रों के बीच पहुंचे। विद्यालय पहुंचने पर संस्था में अध्ययनरत दिव्यांग छात्र रंजीत बड्डे सहित विशेष आवश्यकता वाले बच्चों ने मुख्यमंत्री का आत्मीय स्वागत किया। इस अवसर पर बच्चों द्वारा स्वागत गीत, हनुमान चालीसा एवं बस्तर अंचल के पारंपरिक गीतों की सुंदर प्रस्तुति दी गई, जिसने उपस्थित सभी अतिथियों को मंत्रमुग्ध कर दिया। बच्चों की मांग पर मुख्यमंत्री श्री साय ने विद्यालय को एक बस उपलब्ध कराने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री श्री साय ने बच्चों से चर्चा करते हुए कहा कि उन्हें मेहनत और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ना चाहिए। विद्यालय में उपलब्ध सुविधाएं अच्छी हैं, उनका पूरा लाभ लेकर सभी अपने भविष्य को उज्ज्वल बनाएं। उन्होंने बच्चों को आईएएस, आईपीएस जैसे उच्च पदों तक पहुंचने के लिए प्रेरित किया और कहा कि किसी भी प्रकार की शारीरिक कमी से निराश नहीं होना चाहिए, क्योंकि विशेष आवश्यकता वाले व्यक्तियों पर ईश्वर का विशेष आशीर्वाद होता है। बच्चों ने जब उनसे पूछा गया कि उन्हें विद्यालय आकर कैसा लगा, तो मुख्यमंत्री ने कहा कि बच्चों के बीच आकर उन्हें अत्यंत प्रसन्नता हुई। एक बच्ची के प्रश्न पर मुख्यमंत्री ने बताया कि बचपन में उन्हें पिट्ठू, फुटबॉल जैसे खेल खेलना बहुत पसंद था।

मोहारा मेला स्थल में गूंजेगी भगवान कृष्ण की गीता वाणी

राजनांदगांव (विश्व परिवार)। शहर की जीवन दायिनी नदी शिवनाथ मोहारा मेला स्थल पर आज रविवार को भगवान कृष्ण द्वारा कही गई गीता वाणी गूंजायमान होगी। सिंगदइ सर्किल कोसारिया यादव समाज द्वारा आयोजित गीता जयंती प्रसंग पर आज भव्य कलशयात्रा निकाली जाएगी। एक फरवरी रविवार को मोहारा मेला तट पर आयोजित इस कार्यक्रम के संबंध में संरक्षक पवन यादव पहुना ने बताया कि गीता जयंती के आयोजन में आज यादवों के आराध्य देव भगवान कृष्ण द्वारा महाभारत युद्ध के दौरान कही गई वाणी के संबंध में समाज के चैतराम यादव द्वारा विस्तृत प्रकाश डाला जाएगा। इस महत्वपूर्ण अवसर पर समाज द्वारा हर वर्ष शिक्षा साहित्य खेल कला से जुडे लोगों को सम्मानित किया जाता है। उक्त नुसार आज मोहारा मेला स्थल में जस गायक कांति कार्तिक, जस गायिका चंदाबाई यादव व राज्य स्तरीय खिलाड़ी नंदिता व भाग्यका सम्मान किया जाएगा।

पवन यादव ने बताया कि गीता जयंती कार्यक्रम के उपलक्ष्य में आज सुबह मेला स्थल से भव्य कलश यात्रा निकाली जाएगी जो बाजे-गाजे के साथ राउत नृत्य का प्रदर्शन करते हुए मोहारा का भ्रमण किया जाएगा। सर्किल अध्यक्ष विशारद यादव ने बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत भगवान कृष्ण के द्वारा दिए गए उपदेश के साथ किया जाएगा।

राजिम कुंभ मेला के अवसर पर यात्रियों के लिए 2 राजिम कुंभ मेला स्पेशल ट्रेन

रायपुर (विश्व परिवार)। भारतीय रेल छत्तीसगढ़ में रेल सेवाओं और अवसंरचना के उन्नयन के लिए प्रतिबद्ध है । वर्तमान में छत्तीसगढ़ राज्य राजीव में शुरू होने वाले राजिम कुंभ मेला में रेलवे की यात्री सुविधाएं प्रगति पर हैं । दिनांक 1 फरवरी से 15 फरवरी तक 02 राजिम कुंभ मेला मेमू स्पेशल ट्रेन की सुविधा यात्रियों को मिलेगी। रायपुर-राजिम के लिए बेहतर रेल कनेक्टिविटी प्रदान करके सीधे श्रद्धालुओं को लाभ पहुँचायेगी । श्रद्धालुओं/ यात्रियों के लिए यह तेज और किफायती यात्रा प्रदान करती है, गाड़ी संख्या 08755 /08756 रायपुर - राजिम- रायपुर मेमू कुंभ मेला स्पेशल की समय सारणी गाड़ी संख्या 08755 रायपुर - राजिम मेमू पैसेंजर रायपुर स्टेशन से 11.55 बजे रवाना हो कर 12.15 बजे मंदिर हसौद, 12.24 बजे सी.बी.डी (पीएच) , 12.34 बजे केंद्री, 12.49 बजे अभनपुर , 12.57 बजे मानिक चौरी , 13.20 बजे राजिम पहुचेगी । इसी तरह गाड़ी संख्या 08756 राजिम - रायपुर मेमू कुंभ मेला स्पेशल राजिम रेलवे स्टेशन से 14.00 बजे रवाना हो कर , 14.07 बजे मानिक चौरी , 14.14 बजे अभनपुर, 14.22 बजे केंद्री , 14.31 बजे सी.बी.डी (पीएच) , 14.43 बजे मंदिर हसौद , 15ः30 बजे रायपुर पहुचेगी । गाड़ी संख्या 08757 /08758 रायपुर - राजिम- रायपुर मेमू कुंभ मेला स्पेशल की समय सारणी गाड़ी संख्या 08757 रायपुर - राजिम मेमू पैसेंजर रायपुर स्टेशन से 14.30 बजे रवाना हो कर 14.48 बजे मंदिर हसौद, 14.49 बजे सी.बी.डी (पीएच) , 15.09 बजे केंद्री, 15.23 बजे अभनपुर , 15.31 बजे मानिक चौरी , 16.00बजे राजिम पहुचेगी । इसी तरह गाड़ी संख्या 08758 राजिम - रायपुर मेमू कुंभ मेला स्पेशल राजिम रेलवे स्टेशन से 20.30 बजे रवाना हो कर , 20.37 बजे मानिक चौरी , 20.44 बजे अभनपुर, 20.52 बजे केंद्री , 21.00 बजे सी.बी.डी (पीएच) , 21.12 बजे मंदिर हसौद , 22ः00 बजे रायपुर पहुचेगी ।

पुलिस अधिकारियों के दायित्वों पर आयोजित हुआ दो दिवसीय प्रशिक्षण

रायपुर (विश्व परिवार)। रायपुर जिला में पुलिस कमिश्नरेट प्रणाली लागू होने के पश्चात, कमिश्नरेट के अंतर्गत कार्यरत सहायक पुलिस आयुक्त से उच्च श्रेणी के अधिकारियों के लिए कार्यपालिक मजिस्ट्रेट के कार्यों से संबंधित एक दो दिवसीय विशेष पाठशाला / प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया।

उक्त विशेष पाठशाला का आयोजन 30 एवं 31 जनवरी को कमांड एंड कंट्रोल सेंटर (C4) रायपुर में किया गया। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य नवीन रूप से लागू पुलिस कमिश्नरेट प्रणाली के अंतर्गत पुलिस अधिकारियों को प्रदत्त कार्यपालिक मजिस्ट्रेट संबंधी अधिकारों, दायित्वों, कानूनी प्रावधानों तथा व्यावहारिक प्रक्रियाओं की गहन समझ प्रदान करना था, ताकि कानून-व्यवस्था एवं प्रशासनिक कार्यों का त्वरित, प्रभावी एवं विधिसम्मत निर्वहन सुनिश्चित किया जा सके।

उपरोक्त दो दिवसीय प्रशिक्षण सत्र का उद्घाटन पुलिस कमिश्नर रायपुर, डॉ संजीव शुक्ला (IPS) द्वारा किया गया। अपने उद्घाटन उद्बोधन में उन्होंने कहा कि पुलिस कमिश्नरेट प्रणाली की उपयोगिता तथा इसके अंतर्गत प्राप्त शक्तियों का उपयोग सजगता एवं प्रभावी (effective) ढंग से किया जाना आवश्यक है, जिससे आमजन का पुलिस पर विश्वास और अधिक सुदृढ़ हो तथा क्षेत्र में असामाजिक तत्वों एवं बदमाशों के हौसले पस्त हों।

पूरे प्रशिक्षण सत्र के दौरान श्री अमित तुकाराम कांबले अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर; श्री उमेश गुप्ता, डीसीपी मध्य जोन; श्री मयंक गुर्जर, डीसीपी उत्तर जोन; श्री संदीप पटेल , डीसीपी पश्चिम जोन; तथा श्री स्मृतिक राजनाला , डीसीपी साइबर एवं क्राइम, उपस्थित रहे।

एनआईईएलआईटी भुवनेश्वर ने मैट्स यूनिवर्सिटी के साथ मिलकर ड्रोन टेक्नोलॉजी पर 21वें बूटकैंप का उद्घाटन किया

रायपुर (विश्व परिवार)। मैट्स यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी ने नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी , भुवनेश्वर के साथ मिलकर आज आधिकारिक तौर पर ड्रोन टेक्नोलॉजी: कॉन्सेप्ट्स और असेंबलिंग पर एक खास बूटकैंप का उद्घाटन किया। इस प्रोग्राम का मकसद छात्रों को तेजी से विकसित हो रहे अनमैन्ड एरियल व्हीकल सेक्टर में लेटेस्ट स्किल्स से लैस करना है। इस इवेंट के दौरान छात्रों को ड्रोन सिस्टम की असेंबलिंग, फिटिंग, फंक्शनिंग से लेकर फ्लाइंग मैकेनिज्म तक की गहन हैंड्स-ऑन/प्रैक्टिकल लर्निंग का अनुभव मिलेगा।

इस इवेंट में जाने-माने लीडर्स और टेक्निकल एक्सपर्ट्स मौजूद थे, जिन्होंने एयरोस्पेस टेक्नोलॉजी में आत्मनिर्भरता के महत्व पर जोर दिया। प्रो. (डॉ.) के.पी. यादव, वाइस चांसलर ने इस क्षेत्र में इंडस्ट्री-स्टैंडर्ड टेक्निकल ट्रेनिंग लाने के लिए यूनिवर्सिटी की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला, जिसमें नई ड्रोन टेक्नोलॉजी और उसके उदाहरणों पर खास जोर दिया गया। श्री गोकुलानंद पांडा, रजिस्ट्रार ने प्रतिभागियों का स्वागत किया और यूनिवर्सिटी के चल रहे UAV प्रोजेक्ट पर प्रकाश डालते हुए ऐसे हाई-इम्पैक्ट टेक्निकल पहलों के लिए प्रशासनिक समर्थन का उल्लेख किया। श्री अंजन जोशी, NIELIT कोऑर्डिनेटर ने इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार के तहत नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, भुवनेश्वर का प्रतिनिधित्व किया, और ड्रोन इंडस्ट्री को नियंत्रित करने वाले सर्टिफिकेशन और मानकों के बारे में विस्तार से बताया। डॉ. मनीषा अग्रवाल, रिसर्च डायरेक्टर ने कृषि, लॉजिस्टिक्स और सर्विलांस में ड्रोन टेक्नोलॉजी की रिसर्च क्षमता और भविष्य के लिए तैयार एप्लीकेशंस पर चर्चा की और सभी गणमान्य व्यक्तियों को धन्यवाद दिया। डॉ. बृजेश पटेल, डीन रिसर्च और प्रिंसिपल ने बूटकैंप के लिए विज़न दिया।

पीएम सूर्यघर योजना से सोलर प्लांट लगाने वालों को मिला सौर मित्र सम्मान

■ छत्तीसगढ़ राज्य के स्थापना पर रजत महोत्सव- 2026 का आयोजन

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज़ ने पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत अपने घर के छतों पर सोलर प्लांट लगाने वालों को सौर मित्र सम्मान देकर सम्मानित किया गया। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड द्वारा दिनांक 30 जनवरी 2026 से 06 फरवरी 2026 तक राज्य के सभी जिलों में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में रायपुर जिले के अंतर्गत कार्यपालन अभियंता, नगर संभाग मध्य, नयापारा फूल चौक परिसर में शिविर का आयोजन हुआ।

इस आयोजन में मुख्य अतिथि अधीक्षण अभियंता (नगर वृत्त-एक) श्री महावीर विश्वकर्मा एवं विशिष्ट अतिथि जोन क्रमांक-04 के अध्यक्ष श्री मुरली शर्मा, जोन क्रमांक-07 की अध्यक्ष श्रीमती श्वेता विश्वकर्मा तथा पार्षद श्री अवतार सिंह बागल की गरिमामयी उपस्थिति रही।

कार्यक्रम में कार्यपालन अभियंता श्री अविनाश कुमार निवडिंग, श्री शिवकुमार गुप्ता, श्री जी.के. बंजारे, सहायक अभियंता, कनिष्ठ अभियंता सहित संभाग अंतर्गत आने वाले सम्माननीय उपभोक्ता उपस्थित रहे।

आयोजन के दौरान कंपनी के 25 वर्षों के सफर का प्रदर्शन किया गया तथा ऐसे उपभोक्ताओं को सम्मानित किया गया जिन्होंने बिना अधिभार समय पर विद्युत देयक का भुगतान किया है। सम्मानित उपभोक्ता घरेलू, गैर-घरेलू एवं एकल बत्ती श्रेणी के थे। इसके साथ ही पी.एम. सूर्यघर योजना के अंतर्गत सोलर प्लांट लगाने वाले उपभोक्ताओं का भी सम्मान किया गया।

सम्मानित उपभोक्ताओं के नाम — एकल बत्ती श्रेणी में श्रीमती द्रौपदी छुरा (त्रिमुर्ति नगर, रायपुर), श्रीमती हिमांशी नायक (रायपुर), श्री शिवकुमार पठारी (कमासीपारा, रायपुर); घरेलू श्रेणी में श्रीमती रमादेवी खंडेलवाल (देवेन्द्र नगर, रायपुर), मोहम्मद इमरान खान (रायपुर), श्री राहुल शर्मा (रामसागर पारा, रायपुर); गैर-घरेलू श्रेणी में मेसर्स राजेश फॉर्मा (लोधीपारा, रायपुर), प्रेसिडेंट कान्यकुन्ज आशीर्वाद भवन (रायपुर), श्री नन्दकिशोर (रायपुर); सोलर श्रेणी में द सिस्टर इंचार्ज, आशा निकेतन (पंडरी, रायपुर), प्रेसिडेंट कान्यकुन्ज आशीर्वाद भवन (रायपुर), श्री राजकिशोर साहू (चूना भट्टी, रायपुर) एवं अन्य उपभोक्ता उपस्थित रहे।

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

विविध

रायपुर, रविवार 01 फरवरी 2026

माघ पूर्णिमा पर मां लक्ष्मी इन उपाय से होंगी प्रसन्न

1 फरवरी को है माघ मास का अंतिम दिन माघ पूर्णिमा। इस दिन स्नान, दान और तर्पण का खास महत्व होता है। इस दिन खास उपाय करके माता लक्ष्मी को प्रसन्न किया जा सकता है।

- **स्नान :** पुराणों के अनुसार माघ पूर्णिमा के दिन स्वयं भगवान श्री विष्णु गंगाजल में निवास करते हैं। इस दिन गंगा स्नान करने से विष्णु सहित देवी लक्ष्मी की कृपा मिलती है तथा धन-संपदा लक्ष्मी, यश, सुख-सौभाग्य तथा उत्तम संतान की प्राप्ति होती है।
- **मंत्र जाप :** पूर्णिमा पर माता लक्ष्मी के मंत्रों का जाप करना चाहिए। इससे घर में धन समृद्धि में बढ़ोतरी होती है। माघ माह में श्रीहरि भगवान विष्णु की माता लक्ष्मी के साथ पूजा करना चाहिए। इससे घर में सुख, शांति, धन और समृद्धि बनी रहती है।
- **पीली सामग्री करें दान :** इस दिन देवी लक्ष्मी जी को पीले तथा लाल रंग सामग्री अर्पित कर खीर का भोग लगाने से वे प्रसन्न होती हैं।
- **दीपदान :** माघ पूर्णिमा या किसी विशेष दिन पर नदी तट पर या नदी में दीपदान करने को सबसे महत्वपूर्ण माना जाता है। इससे देवी और देवता प्रसन्न होते हैं और पुण्य की प्राप्ति होती है। तुसली के नीचे घी का दीया जलाने से भी मां लक्ष्मी का आशीर्वाद प्राप्त होता है।
- **श्रीसूक्त का पाठ :** माघ पूर्णिमा के दिन देवी लक्ष्मी की विधिवत पूजा करके श्रीसूक्त का पाठ करना चाहिए। इससे देवी लक्ष्मी प्रसन्न होकर जातक को आशीर्वाद देती हैं।

माघ पूर्णिमा के दिन गंगा स्नान से मिलती है भगवान श्री विष्णु की कृपा

ऐसी मान्यता है कि माघ पूर्णिमा के दिन सभी देवता स्वर्ग से नीचे उतरकर प्रयाग स्थित गंगा में स्नान करते हैं। इसीलिए इस दिन स्नान माघ मास या माघ पूर्णिमा को संगम में स्नान का बहुत महत्व है।

दान का मिलता 32 गुना फल

माघ पूर्णिमा के दिन दान-दक्षिणा देने से 32 गुना फल मिलता है। इसलिए इसे माघी पूर्णिमा के अलावा बत्तिसी पूर्णिमा भी कहते हैं। इस दिन कंबल, वस्त्र, तिल, अन्न, घी, नमक, गुड़, पांच तरह के अनाज, गाय आदि का दान करने से हजार गुना पुण्य की प्राप्ति होती है। दान करने से सभी तरह के संकट मिट जाते हैं और जातक मोक्ष को प्राप्त करता है।

माघ कृष्ण द्वादशी को यम ने तिलों का निर्माण किया और दशरथ ने उन्हें पृथ्वी पर लाकर खेतों में बोया था। अतएव मनुष्यों को उस दिन उपवास रखकर तिलों का दान कर तिलों को ही खाना चाहिए। माघ पूर्णिमा या किसी विशेष दिन पर नदी तट पर या नदी में दीपदान करने को सबसे महत्वपूर्ण माना जाता है। इससे देवी और देवता प्रसन्न होते हैं और पुण्य की प्राप्ति होती है। ऐसी मान्यता है कि माघ पूर्णिमा के दिन सभी देवता स्वर्ग से नीचे उतरकर प्रयाग स्थित गंगा में स्नान करते हैं। इसीलिए इस दिन स्नान माघ मास या माघ पूर्णिमा को संगम में स्नान का बहुत महत्व है। संगम नहीं तो गंगा, गोदावरी, कावेरी, नर्मदा, कृष्णा, क्षिप्रा, सिंधु, सरस्वती, ब्रह्मपुत्र आदि पवित्र नदियों में स्नान करना चाहिए। माघी पूर्णिमा पर गंगा तथा अन्य पवित्र नदियों तथा सरोवर तट पर स्नान करके तिलांजलि देना चाहिए तथा पितृ तर्पण करना चाहिए।

स्नान करने से सभी तरह के पापों का नाश हो जाता है। पुराणों के अनुसार माघ पूर्णिमा के दिन स्वयं भगवान श्री विष्णु गंगाजल में निवास करते हैं। इस दिन गंगा स्नान करने से विष्णु की कृपा मिलती है तथा धन-संपदा लक्ष्मी, यश, सुख-सौभाग्य तथा उत्तम संतान की प्राप्ति होती है। पूर्णिमा पर माता लक्ष्मी के मंत्रों का जाप करना चाहिए। इससे घर में धन समृद्धि में बढ़ोतरी होती है। इस दिन देवी लक्ष्मी जी को पीले तथा लाल रंग सामग्री अर्पित करने से वे प्रसन्न होती हैं। माघ पूर्णिमा के दिन चंद्रमा को खीर अर्पित करने से चंद्रदेव की कृपा प्राप्त होती है।

माघ पूर्णिमा के दिन स्नान, दान और तर्पण का महत्व

1 फरवरी को है माघ पूर्णिमा। माघ पूर्णिमा के दिन निम्नलिखित 5 कार्य करने से पापों का नाश होता है और धन लाभ होता है।

- **स्नान का महत्व :** ऐसी मान्यता है कि माघ पूर्णिमा के दिन सभी देवता स्वर्ग से नीचे उतरकर प्रयाग स्थित गंगा में स्नान करते हैं। इसीलिए इस दिन स्नान माघ मास या माघ पूर्णिमा को संगम में स्नान का बहुत महत्व है। संगम नहीं तो गंगा, गोदावरी, कावेरी, नर्मदा, कृष्णा, क्षिप्रा, सिंधु, सरस्वती, ब्रह्मपुत्र आदि पवित्र नदियों में स्नान करना चाहिए।
- **दान का महत्व :** इस दिन दान-दक्षिणा का बत्तीस गुना फल मिलता है। इसलिए इसे माघी पूर्णिमा के अलावा बत्तिसी पूर्णिमा भी कहते हैं।
- **तर्पण का महत्व :** माघी पूर्णिमा पर गंगा तथा अन्य पवित्र नदियों तथा सरोवर तट पर स्नान करके तिलांजलि देना चाहिए तथा पितृ तर्पण करना चाहिए।

फायदे

- स्नान करने से सभी तरह के पापों का नाम हो जाता है।
- दान करने से सभी तरह के संकट मिट जाते हैं और जातक मोक्ष को प्राप्त करता है।
- पुराणों के अनुसार माघ पूर्णिमा के दिन स्वयं भगवान श्री विष्णु गंगाजल में निवास करते हैं।
- इस दिन गंगा स्नान करने से विष्णु की कृपा मिलती है तथा धन-संपदा लक्ष्मी, यश, सुख-सौभाग्य तथा उत्तम संतान की प्राप्ति होती है।
- पूर्णिमा पर माता लक्ष्मी के मंत्रों का जाप करना चाहिए। इससे घर में धन समृद्धि में बढ़ोतरी होती है। इस दिन देवी लक्ष्मी जी को पीले तथा लाल रंग सामग्री अर्पित करने से वे प्रसन्न होती हैं।
- माघ पूर्णिमा के दिन चंद्रमा को खीर अर्पित करने से चंद्रदेव की कृपा प्राप्त होती है।

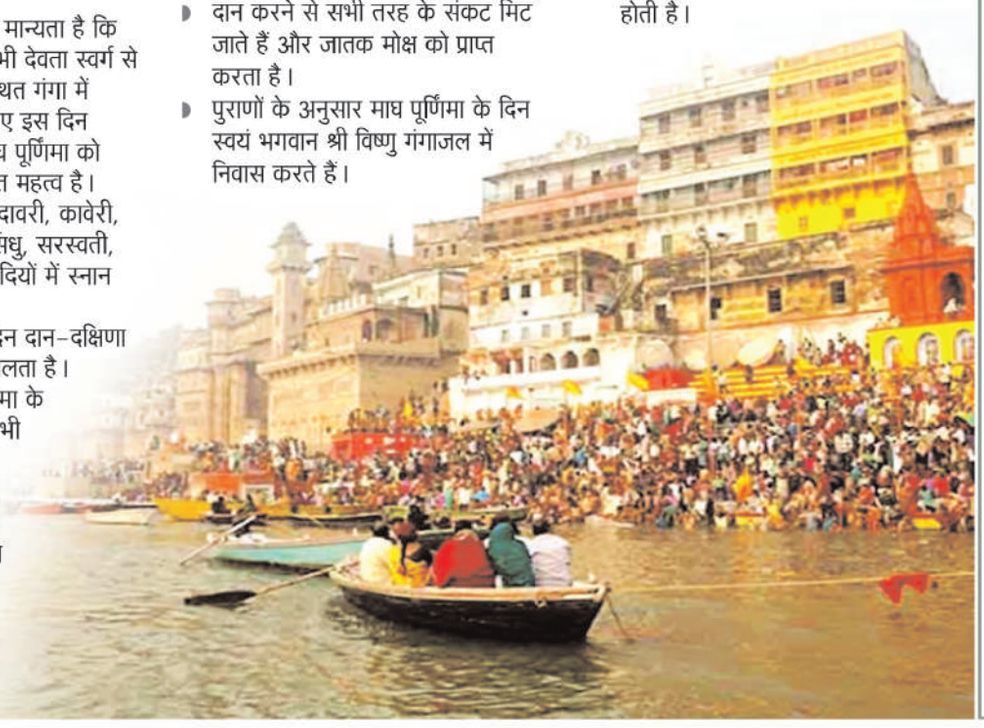

माघ पूर्णिमा के दिन धरती पर आते हैं देवता

माघी पूर्णिमा के दिन संगम पर माघ-मेले में जाने और स्नान करने का विशेष महत्व है। पुराणों के अनुसार माघ माह में पूर्णिमा के दिन देवता धरती पर आते हैं और गंगा में स्नान करते हैं। इस शुभ संयोग में दान-पुण्य और मंत्र से करें उन्हें प्रसन्न।

ऐसी मान्यता है कि माघ पूर्णिमा के दिन सभी देवता स्वर्ग से नीचे उतरकर प्रयाग स्थित गंगा में स्नान करते हैं। इसीलिए इस दिन स्नान माघ मास या माघ पूर्णिमा को संगम में स्नान का बहुत महत्व है। संगम नहीं तो गंगा, गोदावरी, कावेरी, नर्मदा, कृष्णा, क्षिप्रा, सिंधु, सरस्वती, ब्रह्मपुत्र आदि पवित्र नदियों में स्नान करना चाहिए क्योंकि मान्यता है इस माह में सभी नदियों का जल गंगा के समान पवित्र हो जाता है। स्नान करने से सभी तरह के पापों का नाशो जाता है। पुराणों के अनुसार माघ पूर्णिमा के दिन स्वयं भगवान श्री विष्णु गंगाजल में निवास करते हैं। इस दिन गंगा स्नान करने से विष्णु की कृपा मिलती है तथा धन-संपदा लक्ष्मी, यश, सुख-सौभाग्य तथा उत्तम संतान की प्राप्ति होती है। माघी पूर्णिमा पर गंगा तथा अन्य पवित्र नदियों तथा सरोवर तट पर स्नान करके तिलांजलि देना चाहिए तथा पितृ तर्पण करना चाहिए।

माघ पूर्णिमा का मंत्र

पूर्णिमा पर माता लक्ष्मी के मंत्रों का जाप करना चाहिए। इससे घर में धन समृद्धि में बढ़ोतरी होती है। इस दिन देवी लक्ष्मी जी को पीले तथा लाल रंग सामग्री अर्पित करने से वे प्रसन्न होती हैं।

- ॐ श्रीं ह्रीं श्रीं कमले कमलालये प्रसीद प्रसीद श्रीं ह्रीं श्रीं महालक्ष्म्यै नमः।'
- ॐ श्रींह्रीं श्रीं कमले कमलालये प्रसीद प्रसीद श्रीं ह्रीं श्रीं महालक्ष्मी नमः।।
- ॐ यक्षाय कुबेराय वैश्रवणाय धन धान्याधिपतये, धन धान्य समृद्धिं मे देहि दापय स्वाहा।।'
- ॐ विष्णवे नमः। ॐ हूं विष्णवे नमः। ॐ नमो नारायण। ॐ वासुदेवाय नमः।
- ॐ नारायणाय विद्महे। वासुदेवाय धीमहि। तन्नो विष्णु प्रचोदयात।।
- ॐ शिवाय नमः।
- ॐ सों सोमाय नमः।
- ॐ श्रां श्रीं श्रौं चन्द्रमसे नमः।
- ॐ सां सीं सौं सः चन्द्रमसे नमः।

स्नान मंत्र

ॐ गङ्गे च यमुने चैव गोदावरी सरस्वती।
नर्मदे सिंधु कावेरी जलेस्मिन सन्निधिं कुरु।।
श्लोकार्थ : गंगा, यमुना, गोदावरी, सरस्वती, नर्मदा माँ, सिंधु और माँ कावेरी। आप सभी तीर्थ मेरे पानी में आइए में आपका आवाहन करता हूं। मेरे इस पानी को पवित्र जल बनाओ ताकि में इसमें स्नान कर अपने सभी पापों का विनाश कर सकूं।

अच्छी सेहत के लिए जरूरी है हवन

कई शोध ये बात साबित कर चुके है कि हवन न केवल वातावरण को प्रदूषण मुक्त बनाने हैं, बल्कि अच्छी सेहत के लिए भी जरूरी है। हवन के धुएं से प्राण में संजीवनी शक्ति का संचार होता है। हवन के माध्यम से बीमारियों से छुटकारा पाने का जिक्र ऋग्वेद में भी है। हवन के लिए पवित्रता की जरूरत होती है ताकि सेहत के साथ उसकी आध्यात्मिक शुद्धता भी बनी रहे। हवन करने से पूर्व स्वच्छता का ख्याल रखें। हवन के लिए आम की लकड़ी, बेल, नीम, पलाश का पौधा, कलीगंज, देवदार की जड़, गूलर की छाल और पत्ती, पीपल की छाल और तना, बेर, आम की पत्ती और तना, चंदन की लकड़ी, तिल, जामुन की कोमल पत्ती, अश्वगंधा की जड़, तमाल यानि कपूर, लौंग, चावल, ब्राम्ही, मुलैठी की जड़, बहेड़ा का फल और हर्रे तथा घी, शकर जौ, तिल, गुगल, लोभान, इलायची एवं अन्य वनस्पतियों का बूरा उपयोगी होता है। हवन के लिए गाय के गोबर से बनी छोटी-छोटी कटोरियां या उपले घी में डूबो कर डाले जाते हैं। हवन से हर प्रकार के 94 प्रतिशत जीवाणुओं का नाश होता है, अतः घर की शुद्धि तथा सेहत के लिए प्रत्येक घर में हवन करना चाहिए। हवन के साथ कोई मंत्र का जाप करने से सकारात्मक ध्वनि तरंगित होती है, शरीर में ऊर्जा का संचार होता है, अतः कोई भी मंत्र सुविधानुसार बोला जा सकता है।

माघ पूर्णिमा के दिन इन दो चीजों को जल में मिलाकर करें स्नान, मिलेगा शाही स्नान जितना फल

माघ पूर्णिमा को सभी पूर्णिमा तिथि में सर्वश्रेष्ठ माना गया है। यह पूर्णिमा सुख-समृद्धि और उत्तम फलदायी माना जाता है। अब ऐसे में अगर आप माघ पूर्णिमा के दिन सुख-समृद्धि पाना चाहते हैं तो इस दिन स्नान करने के दौरान जल में दो चीजों को डालकर स्नान करना चाहिए।

हिंदू धर्म में पूर्णिमा तिथि का बहुत अधिक महत्व है। यह तिथि भगवान विष्णु, मां लक्ष्मी और चंद्र देव को समर्पित है। इस दिन लोग व्रत रखते हैं और विशेष पूजा-अर्चना करते हैं। कई लोग इस दिन सत्यनारायण भगवान की पूजा भी करते हैं। धार्मिक मान्यता के अनुसार, पूर्णिमा के दिन गंगा स्नान और दान-पुण्य करने से जीवन में सुख-शांति बनी रहती है। अब ऐसे में इस दिन नहाने के पानी में दो चीजें ऐसी है। जिसे डालकर नहाने से मोक्ष की प्राप्ति हो सकती है।

माघ पूर्णिमा के दिन नहाने के पानी में दूध डालकर करें स्नान

माघ पूर्णिमा के दिन स्नान करने का विशेष महत्व है। इस दिन पवित्र नदियों में स्नान करने से पुण्य की प्राप्ति होती है और पापों का नाश होता है। यदि आप नदी में स्नान नहीं कर सकते हैं, तो घर पर ही पानी में गंगाजल और दूध मिलाकर स्नान कर सकते हैं। दूध को चंद्रमा का कारक माना जाता है। माघ पूर्णिमा के दिन दूध डालकर नहाने से चंद्रमा मजबूत होता है, जिससे मानसिक शांति और स्थिरता प्राप्त होती है। आपको बता दें, दूध में शांत और शीतल गुण होते हैं। दूध डालकर नहाने से मन शांत होता है और तनाव कम होता है। माघ पूर्णिमा के दिन स्नान का सबसे अच्छा समय ब्रह्म मुहूर्त होता है। ब्रह्म मुहूर्त सूर्योदय से पहले का समय होता है। इस समय स्नान करने से विशेष फल प्राप्त होता है।

माघ पूर्णिमा के दिन नहाने के पानी में शहद डालकर करें स्नान

माघ पूर्णिमा के दिन स्नान के पानी में शहद मिलाकर नहाना बहुत ही शुभ माना जाता है। ऐसा माना जाता है कि इससे व्यक्ति के जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और सौभाग्य में वृद्धि होती है। धार्मिक दृष्टि से भी बहुत महत्वपूर्ण है। ऐसा माना जाता है कि इस दिन गंगा नदी में स्नान करने से सभी पापों का नाश होता है और मोक्ष की प्राप्ति होती है। यदि आप गंगा नदी में स्नान करने नहीं जा सकते हैं, तो आप घर पर ही नहाने के पानी में गंगाजल और शहद मिलाकर स्नान कर सकते हैं।

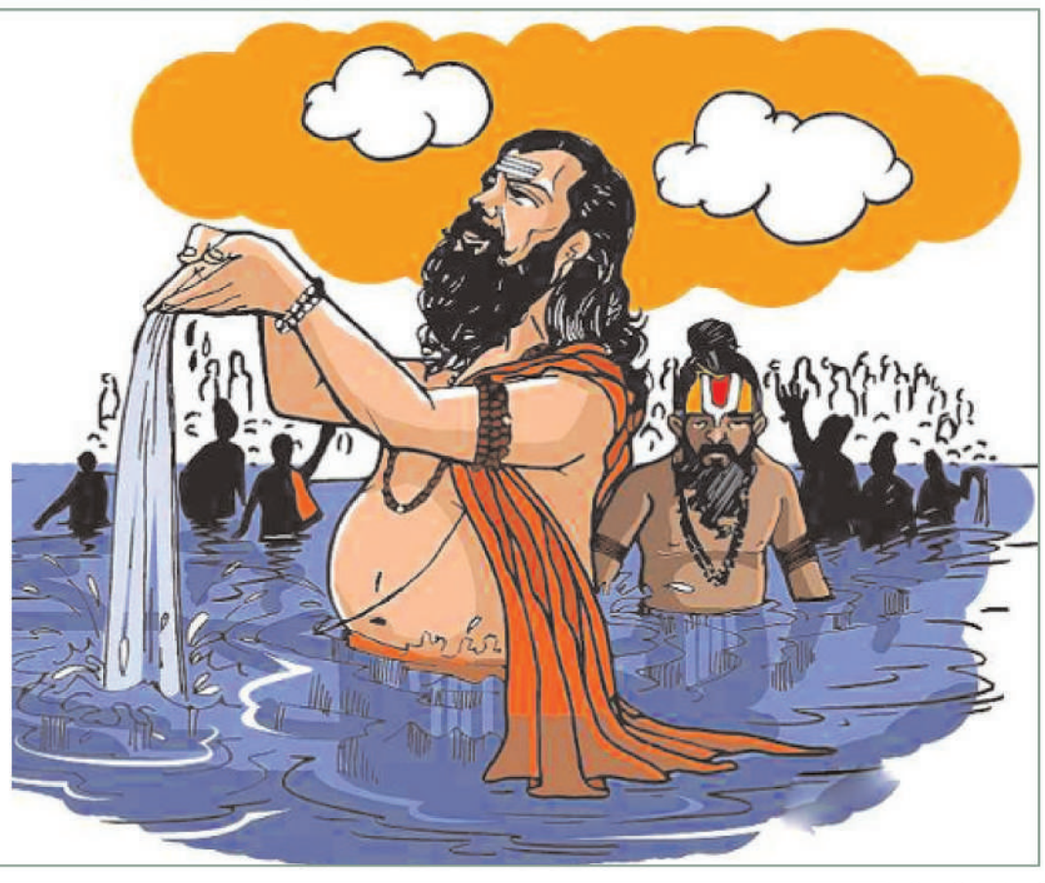

दैनिक
विश्व परिवार
महानगर
www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com
रायपुर, रविवार 1 फरवरी 2026

विद्यार्थी अपना लक्ष्य निर्धारित कर, कठिन परिश्रम करें-उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा

कवर्धा (विश्व परिवार)। नगर पालिका द्वारा 1 करोड़ 94 लाख रू. की लागत से निर्मित नवनिर्मित स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम स्कूल का लोकार्पण उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा, नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी व उपस्थित अतिथियों ने किया।

स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम विद्यालय के नवनिर्मित भवन के लोकार्पण अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित छत्तीसगढ़ शासन के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि किसी भी प्रदेश की वास्तविक प्रगति का पैमाना उसकी शिक्षा व्यवस्था होती है। समाज में शिक्षा सशक्त होती है, जिससे समाज आत्मनिर्भर, संस्कारित और विकसित बनता है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार शिक्षा को केवल भवन निर्माण तक सीमित नहीं रख रही है बल्कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षण, आधुनिक अधोसंरचना और समावेशी शिक्षा व्यवस्था पर विशेष ध्यान दे रही है। स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम विद्यालय योजना इसी सोच का परिणाम है, जिसके माध्यम से गरीब, मध्यम वर्ग एवं ग्रामीण पृष्ठभूमि के बच्चों को भी अंग्रेजी माध्यम में उत्कृष्ट शिक्षा उपलब्ध कराई जा रही है।उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि वे लक्ष्य निर्धारित कर कठिन परिश्रम करें, माता-पिता और शिक्षकों का सम्मान करें तथा अपने ज्ञान और कौशल के माध्यम से कबीरधाम जिला, छत्तीसगढ़ प्रदेश और देश का नाम रोशन करें। इस अवसर पर जिला पंचायत सभापति विरेन्द्र साहू, नगर पालिका उपाध्यक्ष पवन जायसवाल, भाजयुमो अध्यक्ष उमंग पांडे, शहर मंडल अध्यक्ष सतविंदर पाहुजा, पार्षद बिहारी राम धुर्वे, अजय सिंह ठाकुर, सौखी आहिरवार, श्रीमती सुष्मा उपाध्याय, शंभू देवांगन,दीपक सिन्हा, संजीव कुर्रे, मनीराम साहू, हरीश कुंभकार, सोनू उपाध्याय, सुरेन्द्र गुप्ता, अनिता धुर्वे, अतुल देव वर्मा, दीनानाथ शर्मा, सनत तिवारी, विष्णु पाण्डेय, हरि विश्वकर्मा भगवती प्रसाद उपाध्याय, सहित अधिक संख्या में जनप्रतिनिधिगण, शिक्षकगण व छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

शहर गौरवान्वित करने वाला पल : चंद्रवंशी

नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवशी ने कहा कि यह अंग्रेजी विद्यालय हमारे कवर्धा शहर को गौरवान्वित करने वाला विद्यालय बनेगा। स्वामी आत्मानंद विद्यालय में अंग्रेजी माध्यम के कक्षा 6वीं से लेकर 12वीं तक सभी बच्चे पढेंगें। उन्होनें कहा कि स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम विद्यालय उच्च शिक्षा प्रदान करने में अपनी अहम भूमिका निभायेगी।

राष्ट्रीय सडक़ सुरक्षा माह का हुआ समापन

दंतेवाड़ा। जिले के सिटी कोतवाली परिसर में 36वें राष्ट्रीय सडक़ सुरक्षा माह का समापन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक चैतराम अटामी उपस्थित रहे। उनके साथ नगर पालिका उपाध्यक्ष कैलाश मिश्रा, जनपद पंचायत सदस्य रामूराम नेताम, पुलिस अधीक्षक गौरव राय, उप पुलिस अधीक्षक (यातायात) नसर उल्लाह सिद्दीकी, अनुविभागीय अधिकारी पुलिस राहुल उइके, गोविंद दीवान, कमलजीत पाटले सहित मीडिया प्रतिनिधि उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विधायक चैतराम अटामी ने अपने उद्बोधन में कहा कि पुलिस विभाग द्वारा लगातार चलाए जा रहे सडक़ सुरक्षा एवं जागरूकता अभियानों का सकारात्मक प्रभाव देखने को मिल रहा है, जिससे सडक़ दुर्घटनाओं में कमी आई है। उन्होंने कहा कि अधिकांश सडक़ दुर्घटनाएं वाहन चालकों की लापरवाही, तेज गति, शराब पीकर वाहन चलाने एवं यातायात नियमों की अनदेखी के कारण होती हैं। उन्होंने आम नागरिकों से अपील की कि वे स्वयं भी जिम्मेदार नागरिक बनें और अपने परिवार व समाज की सुरक्षा के लिए यातायात नियमों का पालन करें।

वनांचल क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार हेतु हम प्रतिबद्ध हैं : भावना

पंडरिया (विश्व परिवार)। ग्रामीण व वनांचल क्षेत्रों में निवासरत परिवारों के बेहतर स्वास्थ्य व स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार एवं मितानिन माताओं-बहनों के योगदान के लिए ग्राम स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं पोषण समिति के तत्वावधान में सामुदायिक भवन पंडरिया, वीर सावरकर भवन कवर्धा और मंगल भवन सहसपुर लोहरा में आयोजित विकासखंड स्तरीय स्वस्थ पंचायत एवं जन संवाद सम्मेलन में पंडरिया विधायक भावना बोहरा शामिल हुईं और जनता से संवाद कर उनकी समस्याओं का निराकरण किया। इस दौरान उन्होंने ग्रामीण स्वास्थ्य सुविधाओं को जन-जन तक पहुँचाने में सार्थक भूमिका निभाने वाली मितानिन माताओं-बहनों

को सम्मानित कर उनका अभिनंदन किया। इस अवसर पर विधायक भावना बोहरा ने कहा कि पंडरिया विधानसभा के ग्रामीण एवं आदिवासी वनांचल क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण को लेकर छत्तीसगढ़ की भाजपा सरकार द्वारा निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। क्षेत्र में स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए इसे जनसेवा का मूल आधार बनाया गया है। ग्रामीण अंचलों में आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत पात्र परिवारों को ?5 लाख तक का नि:शुल्क उपचार उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे गरीब और आदिवासी परिवारों को बड़ी राहत मिली है। वहीं राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के माध्यम से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, उप-स्वास्थ्य केंद्रों एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों को आवश्यक संसाधनों से सुसज्जित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के लिए जननी सुरक्षा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान जैसे कार्यक्रमों का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। इसके अंतर्गत गर्भवती महिलाओं की नियमित जाँच, सुरक्षित प्रसव और पोषण पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।छत्तीसगढ़ की विशिष्ट पहचान बनी मितानिन दीदियाँ, आशा कार्यकर्ता एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ता ग्रामीण व वनांचल क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की महत्वपूर्ण कड़ी बनी हुई हैं। इनके माध्यम से टीकाकरण, पोषण जागरूकता और प्राथमिक उपचार की सेवाएँ घर-घर तक पहुँच रही हैं। भावना बोहरा ने आगे कहा कि स्वस्थ पंचायत एवं जन संवाद सम्मेलन कार्यक्रम इन अभियानों को और गति देने के साथ ही जनता से रूबरू होकर उनकी समस्यों को सुनकर उसका निराकरण करने और सुविधाओं व स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

बस्तर के लिए विशेष पैकेज घोषित करे केंद्र सरकार

केंद्रीय बजट में छत्तीसगढ़ की लंबित योजनाओं को भी शामिल किया जाए: दीपक बैज

रायपुर (विश्व परिवार)। 1 फरवरी 2026 को प्रस्तुत हो रहे केंद्रीय बजट में छत्तीसगढ़ के लिए मोदी सरकार द्वारा पूर्व में घोषित योजनाओं के लिए बजट प्रावधान और नक्सल प्रभावित बस्तर के विकास और पुनर्वास के लिए विशेष पैकेज की मांग करते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा है कि भाजपा की सरकार ने रायपुर से राजनांदगांव होकर हैदराबाद हाईवे की घोषणा 2022 के बजट में की थी, आज तक सर्वे तक नहीं हुआ, नया रायपुर में एम्स के लिए राज्य सरकार द्वारा 2022 में है जमीन अधिग्रहित करके केंद्र सरकार को

हैंडओवर कर दिया गया है, लेकिन आज तक एक नया पैसा नए एम्स के लिए जारी नहीं हुआ, रायपुर से बलौदाबाजार होकर सारंगढ़ उड़ीसा रेल लाइन अब तक केवल घोषणाओं से बाहर नहीं आ पाया है, बिलासपुर में वैगन निर्माण कारखाना और जगदलपुर, बिलासपुर और अंबिकापुर एयरपोर्ट के विस्तार और कार्गोहब को प्रमुखता से शामिल किया जाए।प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा है कि छत्तीसगढ़ रेलवे मालभाड़ा कमाकर देने वाला अग्रणी राज्य है, केंद्र की सरकार केवल रेलवे मालवाड़ा से छत्तीसगढ़ से हर साल 24,000 करोड़ से अधिक की राशि कमा रही है लेकिन सुविधाओं के नाम पर पिछले 12 साल से छत्तीसगढ़ की उपेक्षा हो रही है। यात्री सुविधाएं बढ़ाई जाए, नई ट्रेनें शुरू हो, रिक्त पदों पर भर्ती प्रक्रिया पूरी की जाए।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा है कि एनएमडीसी, एसईसीएल और सीआईएल जैसे नवरत्न कंपनी के कार्यालयों का छत्तीसगढ़ में विस्तार हो, अंधाधुंध निजीकरण बंद हो।

स्कूल के विद्यार्थियों ने देखा लोकभवन

रायपुर (विश्व परिवार)। राज्यपाल श्री रमेन डेका की पहल पर लोकभवन की गतिविधियों से जनसामान्य, विशेषकर विद्यार्थियों को जोडऩे के उद्देश्य से लोकभवन का भ्रमण कराया जा रहा है। इसी कड़ी में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रायपुर मठपारा के 50 छात्र-छात्राओं ने अपने शिक्षकों के साथ आज लोकभवन का भ्रमण किया। विद्यार्थियों ने लोकभवन परिसर स्थित छत्तीसगढ़ मंडपम, उदंती परिसर, कन्हार परिसर, डिस्पेंसरी उद्यान तथा सचिवालय की विभिन्न शाखाओं का अवलोकन किया। बच्चों ने राज्यपाल से मुलाकात कर सामूहिक फोटोग्राफी कराई।

डीके कॉलेज में नशा मुक्त जागरूकता कार्यक्रम किया गया आयोजित

बलौदाबाजार (विश्व परिवार)। शासकीय दाऊ कल्याण महाविद्यालय बलौदाबाज़ार में 30 जनवरी महत्मा गांधी के पुण्य तिथि पर नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

माई भारत, भारत सरकार युवा एवं खेल मंत्रालय, शासकीय मिनीमाता कन्या महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई एवं दाऊ कल्याण महाविद्यालय के रासेयो के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम की शुरुआत प्राचार्य डॉ. ए आर सी जेम्स के स्वागत उद्बोधन से हुई। उन्होंने कहा कि आज के समाज को बचाने के लिए स्कूल एवं महाविद्यालय परिसर में नशा मुक्त के लिए जागरूकता कार्यक्रम बहुत आवश्यक है। मुख्य अतिथि अर्पित तिवारी उपनिदेशक माई भारत छत्तीसगढ़ के द्वारा युवाओं को नशा से बचने, अपने परिवार एवं समाज में जागरूकता का संदेश देने कहा गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों द्वारा पोस्टर प्रदर्शन,रंगोली एवं रैली के माध्यम से जागरूकता फैलाया गया। कार्यक्रम में सुषमा दीवान रासेयो अधिकारी मिनीमाता कन्या महाविद्यालय, नरेन्द्र देव मिर्झा रासेयो जिला संगठक बलौदाबाजार के द्वारा यह कार्यक्रम आयोजित किया गया।

बृजमोहन अग्रवाल के सवाल से तेज हुई इसरो की आउटरीच, 24 से अधिक राज्यों तक पहुंचा स्पेस ऑन व्हील्स

रायपुर/नई दिल्ली (विश्व परिवार)। लोकसभा में सांसद एवं वरिष्ठ भाजपा नेता श्री बृजमोहन अग्रवाल द्वारा देश के प्रत्येक राज्य में इसरो की अंतरिक्ष प्रयोगशाला/संग्रहालय स्थापित करने की आवश्यकता को प्रभावी ढंग से उठाए जाने का सकारात्मक और दूरगामी परिणाम सामने आया है। सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने 1 दिसंबर 2025 को लोकसभा में नियम 377 के अंतर्गत यह महत्वपूर्ण विषय उठाते हुए कहा था कि विज्ञान, तकनीक और अंतरिक्ष अनुसंधान से जुड़ी सुविधाएं केवल कुछ चुनिंदा राज्यों तक सीमित न रहकर देश के हर राज्य और क्षेत्र तक पहुंचनी चाहिए, ताकि युवाओं और विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच, नवाचार और राष्ट्र निर्माण की भावना को बल मिले।

सांसद बृजमोहन अग्रवाल के इस सशक्त हस्तक्षेप के बाद केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह के माध्यम से अंतरिक्ष विभाग (डीओएस) द्वारा इस विषय पर विस्तृत समीक्षा की गई। विभाग ने अवगत कराया कि अपनी आउटरीच गतिविधियों के तहत इसरो देश के 13 राज्यों में 19 अंतरिक्ष संग्रहालयों एवं प्रदर्शनियों का संचालन कर रहा है, जिनमें आंध्र प्रदेश, गुजरात, उत्तराखंड, मेघालय, कर्नाटक, तेलंगाना, पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र, राजस्थान, केरल, मध्य प्रदेश, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली और तमिलनाडु शामिल हैं।

इसके साथ ही इसरो द्वारा 'स्पेस ऑन व्हील्स' नामक छह मोबाइल अंतरिक्ष संग्रहालयों का संचालन भी किया जा रहा है, जो अब तक देश के 24 से अधिक राज्यों में पहुंच चुके हैं। यह पहल विशेष रूप से ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों तक विज्ञान को पहुंचाने में मील का पत्थर साबित हुई है और छात्रों तथा आम नागरिकों द्वारा व्यापक रूप से सराही गई है।

देश के युवाओं के भविष्य के लिए बृजमोहन अग्रवाल की दूरदृष्टि, अंतरिक्ष प्रयोगशालाओं के विस्तार पर केंद्र की मुहर

अंतरिक्ष क्षेत्र में संतुलित और समावेशी विकास की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम के रूप में भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्धन और प्राधिकरण केंद्र (इन-स्पेस) द्वारा अंतरिक्ष प्रयोगशाला कार्यक्रम की परिकल्पना की गई है, जिसके अंतर्गत देशभर के शैक्षणिक संस्थानों में अत्याधुनिक अंतरिक्ष प्रयोगशालाओं की स्थापना की जाएगी।

सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह देश के करोड़ों युवाओं के भविष्य से जुड़ा विषय है। उन्होंने कहा कि उनका सतत प्रयास है कि विज्ञान, तकनीक और अंतरिक्ष जैसे क्षेत्रों में भारत का हर राज्य समान अवसरों का सहभागी बने और भारत वैश्विक मंच पर और अधिक सशक्त होकर उभरे।

कोतरलिया-भूपदेवपुर चौथी रेल लाइन शुरू, मिली हरी झंडी

बिलासपुर (विश्व परिवार)। रेल अधोसंरचना के सुदृढ़ीकरण तथा ट्रेनों के सुरक्षित एवं सुचारु परिचालन को और अधिक सशक्त बनाने के उद्देश्य से दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में नई रेल लाइनों के निर्माण, दोहरीकरण तथा तृतीय एवं चतुर्थ रेल लाइन परियोजनाओं पर तीव्र गति से कार्य किया जा रहा है। इसी क्रम में बिलासपुर-झारसुगुड़ा रेलखंड के मध्य लगभग 206 किलोमीटर लंबी विद्युतीकृत चौथी रेल लाइन परियोजना को चरणबद्ध रूप से पूर्ण किया जा रहा है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना के अंतर्गत कोतरलिया- रायगढ़-किरोड़ीमल नगर-भूपदेवपुर स्टेशनों के मध्य 26.1 किलोमीटर लंबी नई विद्युतीकृत चौथी रेल लाइन का निर्माण कार्य पूर्ण कर लिया गया है। इंटरलॉकिंग सहित सभी आवश्यक तकनीकी कार्यों की पूर्णता के पश्चात दक्षिण पूर्व सर्किल के आयुक्त, रेलवे सेफ्टी (सीआरएस) श्री बी.के. मिश्रा द्वारा दिनांक 29 एवं 30 जनवरी 2026 को इस नई चौथी रेल लाइन का गहन निरीक्षण किया गया। निरीक्षण की शुरुआत भूपदेवपुर स्टेशन से की गई, जहां आयुक्त द्वारा स्टेशन के केबिन, पैनल रूम एवं यार्ड का सूक्ष्म निरीक्षण किया गया तथा संबंधित अधिकारियों से तकनीकी एवं परिचालन संबंधी चर्चा की गई। इसके पश्चात आयुक्त द्वारा निरीक्षण दल के साथ भूपदेवपुर से कोतरलिया स्टेशन तक मोटर ट्रॉली द्वारा नई चौथी रेल लाइन का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान इंटरलॉकिंग प्रणाली, प्वाइंट एवं क्रॉसिंग, ओवरहेड इक्विपमेंट (ओएचई), पुल, समपार फाटक, सिग्नलिंग सिस्टम सहित परिचालन एवं संरक्षा से जुड़े सभी पहलुओं की विस्तारपूर्वक जांच की गई।

छत्तीसगढ़ के लोक संगीत में जो विशेषता, भिन्नता है,वह भारत के अन्य राज्यों में नहीं: तिवारी

रायपुर (विश्व परिवार)। मुंबई इंटरनेशनल फाऊंडेशन फॉर फाइन आर्ट्स मुंबई द्वारा आज एन.सी.पी. ए.नरीमन पॉइंट में लोक संगीत परंपराएं शीर्षक पर आधारित राष्ट्रीय सेमिनार में बोलते हुए नगर के वरिष्ठ लोक कलाकार राष्ट्रीय संगीत नाटक अकादमी तथा राज्य लक्ष्मण मस्तुरिया सम्मान से सम्मानित राकेश तिवारी ने कहा कि छत्तीसगढ़ के लोक संगीत में जो विशेषता, विविधता,और भिन्नता

है ऐसा भारत के कोई अन्य राज्यों में देखने को नहीं मिलता . तिवारी ने सभी लोक विधा की जानकारी देते हुए कर्मा, ददरिया, नाचा,पंथी, डंडा, काया खंडी भजन के अलावा संस्कार गीत को गाकर भी गा कर सुनाया. जिसे सुनकर उपस्थित सुधीजन मंत्र मुग्ध हो गए .संगतकार के रूप में आर्गन पर डॉ. पुरुषोत्तम चन्द्राकर, ढोलक पर मनीष लदेर, घुँघरू पर हेमलाल पटेल रहे.कार्यक्रम में पद्मश्री शेखर सेन पद्मश्री मालनी अवस्थी ,गायिका सुश्री चंदन तिवारी ,सुरभि फेम सिद्धार्थ काक,पार्श्व गायिका छाया गांगुली, एनसीपी की प्रोग्राम प्रमुख सुवर्ण लता राव सहित बड़े संख्या में दर्शक उपस्थित रहे.

सीएसपीडीसीएल कार्यालय में रजत जयंती समारोह का आयोजन

सूरजपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ राज्य के गठन के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड (सीएसपीडीसीएल) सिलफिली वितरण केंद्र के कार्यालय परिसर में रजत जयंती समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य राज्य के विकास में विद्युत वितरण व्यवस्था की भूमिका को रेखांकित करना तथा उपभोक्ताओं के योगदान को सम्मानित करना रहा।

समारोह के मुख्य अतिथि श्री जीतेश रॉय (मंत्री मीडिया प्रभारी),विशिष्ट अतिथि श्री नैन साय सरपंच अजबनगर , श्री दाउत एक्का सरपंच आमगांव की गरिमामय उपस्थिति रही।

कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रतीक बारा, सहायक अभियंता उपसंभाग बिश्रामपुर द्वारा की गई। मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में सीएसपीडीसीएल के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की सराहना करते हुए कहा कि बीते 25 वर्षों में छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड (सीएसपीडीसीएल) सिलफिली वितरण केंद्र ने क्षेत्रों में निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित कर राज्य के समग्र विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

उन्होंने 25 वर्षों में तकनीकी उन्नयन, उपभोक्ता सेवाओं में सुधार तथा नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र किए गए कार्य एवं क्रियान्वित कार्यों में छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड की भूमिका की सराहना की।

सोच ऊंची होगी तो उड़ान भी ऊंची होगी : नितिन विजय

आत्मविश्वास, कड़ी मेहनत और सही मार्गदर्शन से ही साकार होंगे सपने : मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े

गोपाल सिंह विद्रोही

सूरजपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ के युवाओं को आत्मनिर्भर, लक्ष्यनिष्ठ और सशक्त बनाने की दिशा में राज्य शासन द्वारा किए जा रहे प्रयासों की कड़ी में एक और उल्लेखनीय पहल सामने आई है। महिला एवं बाल विकास एवं समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े की पहल पर सूरजपुर जिले के भटगांव स्थित स्टेडियम ग्राउंड में कपिध्वज करियर गाइडेंस कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में 6 से 8 हजार से अधिक विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता कर अपने भविष्य को दिशा देने का अवसर प्राप्त किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि आज का युवा ही देश और समाज के भविष्य का निर्माणकर्ता है। युवाओं के कंधों पर राष्ट्र निर्माण की बड़ी जिम्मेदारी है, जिसे निभाने के लिए स्पष्ट लक्ष्य, सही मार्गदर्शन और निरंतर परिश्रम आवश्यक है। उन्होंने कहा कि जीवन में आने वाली चुनौतियाँ व्यक्ति को मजबूत बनाती हैं और सही निर्णय, समय प्रबंधन तथा सकारात्मक सोच के साथ कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं होता।

मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने शिक्षा को सफलता की सबसे मजबूत नींव बताते हुए विद्यार्थियों से अपील की कि वे अपने मूल्यों, जीवनशैली और दीर्घकालिक उद्देश्यों को ध्यान में रखकर करियर का चयन करें और ऐसे मार्गदर्शन कार्यक्रमों का पूरा लाभ उठाएं।

इस अवसर पर देश के प्रतिष्ठित करियर मार्गदर्शक एवं कोटा (राजस्थान) स्थित मोशन कोचिंग सेंटर के संस्थापक एवं सीईओ श्री नितिन विजय (एन वी सर) ने विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी, करियर चयन, समय प्रबंधन, आत्मविश्वास निर्माण और लक्ष्य आधारित अध्ययन पर प्रभावशाली मार्गदर्शन दिया।

उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि सोच ऊंची रखो, उड़ान भी ऊंची होगी। कठिन परिस्थितियों में भी धैर्य और आत्मविश्वास बनाए रखने वाला व्यक्ति निश्चित रूप से सफलता प्राप्त करता है।

नितिन विजय ने कहा कि सफलता दो बार प्राप्त होती है पहले मन में और फिर वास्तविक जीवन में इसलिए विद्यार्थियों को मानसिक और व्यवहारिक दोनों स्तरों पर स्वयं को सफलता के लिए तैयार करना चाहिए। उन्होंने करियर चयन से पहले अपनी रुचि, क्षमता और व्यक्तित्व को समझने, गलतियों से सीखने और आत्मचिंतन को जीवन में आगे बढ़ने का मूलमंत्र बताया।

अमृत उद्यान 3 फरवरी से 31 मार्च तक खुला रहेगा

नई दिल्ली। अमृत उद्यान, शनिवार, 31 जनवरी, 2026 को नई दिल्ली में उदय उत्सव के मीडिया पूर्वावलोकन के दौरान। %अमृत उद्यान 3 फरवरी, 2026 से 31 मार्च, 2026 तक जनता के लिए खुला रहेगा अमृत उद्यान, जिसे कभी मुगल गार्डन के नाम से जाना जाता था, नई दिल्ली के सबसे प्रतिष्ठित और खूबसूरत स्थानों में से एक है, जो राष्ट्रपति भवन परिसर के अंदर स्थित है। हर साल, यह उद्यान वार्षिक अमृत उद्यान उत्सव के दौरान आम जनता के लिए खोला जाता है। यह उद्यान देश-विदेश से आने

वाले पर्यटकों और प्रकृति प्रेमियों के लिए खास आकर्षण का केंद्र रहता है। रंग-बिरंगे फूलों, सजे-धजे लॉन और शांत वातावरण लोगों को अपनी तरफ आकर्षित करता है। राष्ट्रपति भवन प्रशासन द्वारा जारी जानकारी के अनुसार, अमृत उद्यान 3 फरवरी 2026 से 31 मार्च 2026 तक आम लोगों के लिए खुल रहा है। प्रवेश का समय सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक तय किया गया है। हालांकि, हर सोमवार उद्यान बंद रहेगा क्योंकि इस दिन रखरखाव का कार्य किया जाता है. वहीं होली के दिन भी उद्यान बंद रहेगा. अमृत उद्यान में घूमने के लिए फ्री एंट्री है और इसके लिए ऑनलाइन बुकिंग की व्यवस्था की गई है. ऑनलाइन समय-स्लॉट के आधार पर टिकट बुक कर सकते हैं. इस बार भी अमृत उद्यान में बेहद प्यारे फूल खिले हैं, जिन्हें देख हर कोई खुश हो जाएगा.

दैनिक
विश्व परिवार
महानगर

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com
रायपुर, रविवार 1 फरवरी 2026

मोबाइल वेटनरी यूनिट से दूरस्थ गांवों में निःशुल्क पशु उपचार की सुविधा

दंतेवाड़ा (विश्व परिवार)। कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव के निर्देशानुसार जिले के चारों विकास खंडों में मोबाइल वेटनरी यूनिट (एमवीयू) का संचालन किया जा रहा है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य दूरस्थ एवं दुर्गम ग्रामों में पहुंचकर पशुओं का निशुल्क उपचार, दवाइयों का वितरण, बधियाकरण, टीकाकरण एवं कृत्रिम गर्भाधान की सुविधा उपलब्ध कराना है। मोबाइल वेटनरी यूनिट निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार प्रतिदिन प्रात 8 बजे से सायं 4 बजे तक तीन ग्रामों का भ्रमण कर बीमार पशुओं का उपचार, दवा वितरण, बधियाकरण, टीकाकरण एवं कृत्रिम गर्भाधान का कार्य कर रही है।

राजिम कुंभ कल्प 2026: संस्कृति, संस्कार और समृद्धि का विराट संगम

आस्था और परंपरा के प्रतीक राजिम कुंभ का भव्य आगाज आज से

राजिम कुम्भ की तैयारियां पूरी, जिला प्रशासन और विभिन्न विभाग जुटे रहे दिन-रात

- महानदी आरती से होगा भव्य शुभारंभ, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ डिजिटल संवाद का नया मंच
- राजिम कुम्भ क्षेत्र में 1 से 15 फरवरी तक नहीं बिकेगी मांस-मटन, शराब दुकानें भी रहेंगी बंद

गरियाबंद (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ की पावन धरती पर स्थित त्रिवेणी संगम राजिम में आयोजित होने जा रहा राजिम कुंभ कल्प 2026 आस्था, सनातन संस्कृति और सामाजिक समरसता का भव्य प्रतीक बनेगा। यह महाआयोजन 1 फरवरी से 15 फरवरी 2026 (महाशिवरात्रि) तक चलेगा, जिसमें देशभर से श्रद्धालु, साधु-संत, कलाकार और विचारक शामिल होंगे। जिला प्रशासन समेत विभिन्न विभाग के अधिकारी-कर्मचारी दिन-रात जुटे रहे, जिसके परिणामस्वरूप राजिम कुम्भ की तैयारियां पूरी हो चुकी है।

राजिम कुंभ कल्प 2026 का शुभारंभ 1 फरवरी को शाम 6.30 बजे पवित्र महानदी आरती के साथ होगा। इस भव्य उद्घाटन समारोह में राज्यपाल श्री रमेन डेका मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल करेंगे। समारोह में रायपुर सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल, महासमुंद सांसद श्रीमती रूपकुमारी चौधरी, कुरूद विधायक श्री अजय चंद्राकर, राजिम विधायक श्री रोहित साहू सहित अनेक जनप्रतिनिधियों की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी।

पॉडकास्ट स्लॉट बुक करने के लिए इच्छुक प्रतिभागियों को राजिम कुंभ की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर पंजीयन करना होगा। प्रत्येक ब्लॉगर को अधिकतम एक घंटे का समय दिया जाएगा और स्लॉट पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर आवंटित होंगे। आयोजकों द्वारा मंच की मूलभूत व्यवस्था की जाएगी, जबकि अन्य तकनीकी संसाधन प्रतिभागियों को स्वयं लाने होंगे।

राजिम कुंभ कल्प 2026 न केवल धार्मिक आयोजन है, बल्कि यह छत्तीसगढ़ की आध्यात्मिक पहचान को राष्ट्रीय स्तर पर सशक्त करने वाला ऐसा उत्सव है, जो आस्था, संस्कृति, अनुशासन और आधुनिक संवाद का अद्भुत संगम प्रस्तुत करेगा।

राजिम कुंभ कल्प 2026 के मद्देनज़र यातायात व्यवस्था में बदलाव: प्रशासन ने संबंधित वाहन चालकों से निर्धारित वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करने एवं यातायात नियमों का पूर्ण पालन करने की अपील की है, ताकि राजिम कुंभ कल्प का आयोजन शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराया जा सके।

आस्था का पॉडकास्ट: संवाद का आधुनिक मंच

राजिम कुंभ कल्प 2026 में पहली बार 'आस्था का पॉडकास्ट' की अभिनव पहल की जा रही है। इस मंच के माध्यम से देशभर से आने वाले ब्लॉगर, कंटेंट क्रिएटर और मीडिया प्रतिनिधि संतों एवं विशिष्ट अतिथियों के साथ धार्मिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विषयों पर संवाद कर सकेंगे।

शुष्क दिवस घोषित, मांस-मटन बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध

राजिम कुंभ कल्प की धार्मिक गरिमा और शांति बनाए रखने के लिए राज्य शासन द्वारा 1 फरवरी से 15 फरवरी 2026 तक नवापारा, मगरलोड एवं राजिम क्षेत्र को शुष्क दिवस क्षेत्र घोषित किया गया है।

इस अवधि में सभी देशी-विदेशी मदिरा दुकानें, होटल-बार, रेस्टॉरेंट-बार, क्लब तथा भांग की दुकानें पूर्णत: बंद रहेंगी। साथ ही, कुंभ मेला क्षेत्र में मांस-मटन की खरीदी-बिक्री पर भी पूर्ण प्रतिबंध लगाया गया है। जिला दण्डाधिकारी के निर्देशानुसार पशुवध गृह एवं मांस विक्रय की सभी दुकानों को मेला अवधि तक बंद रखा जाएगा। नियमों के उल्लंघन पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। अवैध मदिरा एवं मांस बिक्री की रोकथाम के लिए प्रशासन द्वारा विशेष जांच दल गठित किए गए हैं।

सांस्कृतिक संध्या और भक्ति संगीत की विशेष प्रस्तुति

कुंभ कल्प के दौरान आध्यात्मिक गतिविधियों के साथ-साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों की भी भव्य श्रृंखला आयोजित की जाएगी। 1 फरवरी को उद्घाटन के पश्चात रात 8 बजे मुंबई की प्रसिद्ध 'लीला द स्पिरिचुअल रॉक बैंड' अपने सुमधुर भक्ति गीतों से श्रद्धालुओं को भावविभोर करेगी। इसके अलावा मेला अवधि में प्रतिदिन शाम 4 बजे से रात 9 बजे तक राष्ट्रीय एवं आंचलिक कलाकारों द्वारा लोकसंस्कृति और भारतीय परंपरा से जुड़ी प्रस्तुतियाँ दी जाएंगी।

भारी वाहनों का प्रवेश सुबह 6 से रात 12 बजे तक रहेगा प्रतिबंधित

राजिम कुंभ कल्प 2026 के आयोजन आयोजन अवधि के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं एवं आम नागरिकों के आगमन की संभावना को देखते हुए उनकी सुरक्षा और सुगम आवागमन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा यातायात व्यवस्था में आवश्यक परिवर्तन किए गए हैं। कलेक्टर बी.एस. उइके के निर्देशानुसार नेशनल हाईवे 130-सी पर रायपुर से राजिम, चौबे बांधा मार्ग से नवापारा पुल तथा राजिम से फिंगेश्वर मार्ग में भारी मालवाहक वाहनों के प्रवेश एवं आवागमन पर प्रतिबंध लगाया गया है। यह प्रतिबंध 1 से 15 फरवरी तक सुबह 6 बजे से रात्रि 12 बजे तक प्रभावशील रहेगा।

बलौदाबाजार : पंचकल्याणक महामहोत्सव में हो रहे नित्य हो रहे विभिन्न धार्मिक आयोजन

संगठन मंत्री अजय जामवाल, केबिनेट मंत्री टंक राम वर्मा, एवम सांसद बृजमोहन अग्रवाल, सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने मुनि श्री सेआशीर्वाद प्राप्त किये, जैन समाज ने किया सभी का सम्मान

बलौदा बाजार (विश्व परिवार)। बलौदा बाजार जैन समाज के के द्वारा नव निर्माण मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह का भव्य आयोजन नगर में किया जा रहा है, इस आयोजन की माह भर पूर्व से जैन समाज के लोगों ने भव्य तैयारी कर रखी थी, जगह-जगह बनाए गए भव्य स्वागत द्वार व चौक चौराहों को रंगोली से सुसज्जित किये जाने के साथ ही समाज के द्वारा मुनि महाराज के स्वागत में नगर को सुसज्जित किया गया था।उक्त कार्यक्रम पावन सानिध्य परम पूज्य चर्या शिरोमणि पट्टाचार्य श्री 108 विशुद्ध सागर जी महाराज, मंगल मार्गदर्शन श्रमण मुनि श्री सुयश सागर जी महाराज स-संघ पधारे हैं ,प्रति दिवस रिसदा रोड स्थित विशाल पंडाल में आचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज का पावन प्रवचन का आयोजन प्रात: एवं दोपहर में किया जाता है, जिसमें भारी संख्या में नगर वासी एवं सर्व समाज के लोग उपस्थित हो कर प्रवचन का श्रवण करते हैं, नगर में यह भव्य और प्रथम आयोजन जिस मे जैन संतो के आगमन के साथ ही जैन समाज के द्वारा किया जा रहा हैं ,जिसमें जैन संतों का आगमन के साथ ही भगवान के गर्भकल्याणक, जन्म कल्याणक, तप कल्याणक, ज्ञान कल्याणक, व मोक्ष कल्याणक, कुल पांच अर्थात पंच कल्याणक एवं प्रतिष्ठा महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है।

जैन समाज के द्वारा नवनिर्मित जैन मंदिर के शुभ शुभारंभ पर पंच कल्याणक महोत्सव में भगवान श्री के गर्भ में आते ही माता को 16 सपने दिखाई देते हैं। जिसमें हाथी , बैल, लक्ष्मी पुष्पमाला,चंद्रमा,सूर्य दरवाजा, कलश, सरोवर ,समुद्र ,विमान रतनो का ढेर एवं स्वर्ण सिंहासन आदि जैसे मंगल प्रतीक सम्मिलित रहते हैं, यह स्वप्न भावी तीर्थंकर के जन्म यश वैभव धर्म प्रभावों एवं विश्व कल्याण के सूचक माने जाते हैं, 16 सपनों का भावपूर्ण मंचन एवं प्रदर्शन किया जाता है जिसमें संपूर्ण वातावरण भक्तिमय होता है कार्यक्रम के समय मुनि महाराज जी का प्रवचन शाम को 4:00 बजे प्रारंभ होता है ।

आयोजन के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के संगठन प्रभारी श्री अजय जामवाल व केबिनेट मंत्री माननीय टंक राम वर्मा जी छत्तीसगढ़ शासन उपस्थित हुए व आशीर्वाद प्राप्त किया, साथ ही दूसरे दिवस के आयोजन में रायपुर लोकसभा के माननीय सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल, मुख्य रूप से उपथित हुए, व मुनि श्री के आशीर्वाद पश्चात मन्दिर दर्शन किया गया, इस अवसर पर नगरपालिका अध्यक्ष अशोक जैन व समाज के अध्यक्ष संजय जैन, सचिव अमित जैन सहित जैन समाज आयोजन समिति के द्वारा स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया। नगर के अन्य जनप्रतिनिधि जिला पंचायत के अध्यक्ष आकांक्षा गोलू जायसवाल, जिलाध्यक्ष आनन्द यादव, विजय केशरवानी, नगर पालिका के उपाध्यक्ष जितेंद्र महाले, सभापति पार्षद हरजीत सिंह सलूजा, जितेंद्र डड़सेना, सतीश पटेल,शेखर गुप्ता, सुरेश घृतलहरे,श्रीमती श्रद्धा मनीष वर्मा, श्रीमती डिगेश्वरी रविन्द्र नामदेव, श्रीमती मंजू फेकर,पार्षद प्रतिनिधि शशिभूषण शुक्ला,सुभाष राव, नगरपंचायत पलारी के पूर्व अध्यक्ष यशवर्धन वर्मा, ने भी आचार्य श्री जी से आशीर्वाद प्राप्त किया व जैन समाज ने सभी उपस्थित प्रमुखों को सम्मनित किया गया।

नगरपालिका अध्यक्ष अशोक जैन सहित सभी ने अन्य समाज के लोगो को अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित हो कर पुण्य अर्जित करने की अपील की गई,कार्यक्रम स्थल पर समाज के सभी वर्गों की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली, वहीं आम नागरिकों की भारी उपस्थिति से पूरे परिसर में भक्तिमय माहौल था।

■ विद्याधर तिवारी

रायपुर रेल मंडल के 20 सदस्य हुए सेवानिवृत्त

रायपुर (विश्व परिवार)। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, रायपुर मंडल के विभिन्न विभागों में कार्यरत रेल परिवार के 20 सदस्य जनवरी 2026 में अपनी गौरवशाली रेल सेवा पूर्ण करने के पश्चात् सामान्य सेवानिवृत हुए7

इस समारोह में मंडल रेल प्रबंधक (श्री दयानंद), वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी (श्री राहुल गर्ग), सहायक कार्मिक अधिकारी (श्री महेंद्र कुमार शर्मा), सेवानिवृत्त कर्मी एवं उनके परिजन, कल्याण निरीक्षक तथा बंदोबस्त अनुभाग के कर्मचारी उपस्थित थे। मंडल के सेवानिवृत्त होने वाले 20 रेलकर्मियों में यांत्रिकी विभाग से 01, इंजीनियरिंग विभाग से 07, परिचालन विभाग से 04, संकेत एवं दूरसंचार विभाग से 03, चिकित्सा विभाग से 01, वाणिज्य विभाग से 02 एवं विद्युत विभाग से 02 कर्मचारी शामिल है7 मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय के सम्मलेन कक्ष में आयोजित समारोह में समस्त सेवानिवृत्त कर्मियों को विदाई दी गई। इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक द्वारा सभी सेवानिवृत्त कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति का समस्त भुगतान प्रमाण-पत्र दिया गया। ई-पेमेंट के माध्यम से सेवानिवृत्त कर्मचारियों की कुल राशि रुपये 9,10,60,611/- का भुगतान किया गया। पेंशन भुगतान आदेश, सेवानिवृत्त कर्मचारी का पहचान पत्र एवं कर्मचारियों एवं आश्रितों का पास कार्ड, सेवा मेडल दिनांक 30/01/2026 को प्रदान किया गया।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने विकास कार्यों का किया भूमिपूजन

रायपुर (विश्व परिवार)। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने नगर पंचायत लखनपुर में 4 करोड़ 18 लाख रुपये से अधिक कीमत के 26 विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। इन परियोजनाओं से क्षेत्र में बुनियादी सुविधाएं मजबूत होंगी और अंतिम व्यक्ति तक विकास की रोशनी पहुंचेगी। डबल इंजन सरकार छत्तीसगढ़ के बहुमुखी विकास के प्रति पूर्णत: प्रतिबद्ध है। लखनपुर में आयोजित समारोह में श्री अग्रवाल ने सभी 26 परियोजनाओं का विधिवत भूमिपूजन किया। स्थानीय जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और बड़ी संख्या में ग्रामीणों की उपस्थिति में यह कार्यक्रम संपन्न हुआ। मंत्री श्री अग्रवाल ने कहा कि ये कार्य क्षेत्र के समग्र उत्थान का आधार बनेंगे और सरगुजा जैसे पिछड़े क्षेत्रों को मुख्यधारा से जोड़ेंगे।

रायपुर में स्वामी गोविंद देव गिरी जी महाराज की नवधा भक्ति कथा का शुभारंभ

रायपुर (विश्व परिवार)। श्री सीमेंट लिमिटेड द्वारा 31 जनवरी और 1 फरवरी 2026 को रायपुर में विश्व-प्रसिद्ध आध्यात्मिक गुरु स्वामी गोविंद देव गिरी जी महाराज के मुखारविंद से दो-दिवसीय नवधा भक्ति कथा का सफलतापूर्वक शुभारंभ हुआ। इस आध्यात्मिक कार्यक्रम में विशाल संख्या में भक्तों और साधकों ने भाग लिया।

नवधा भक्ति कथा का केंद्र नवविधा भक्ति है—भक्ति के नौ पवित्र रूप, जिन्हें भगवान राम ने रामायण में शबरी को और भक्त प्रह्लाद ने श्रीमद्भागवत में बताए हैं। इन भक्ति मार्गों में शामिल हैं- श्रवण (सुनना), कीर्तन (गान), स्मरण (स्मृति), सेवाश्रवण (सेवा), अर्चन (पूजा भाव), वंदन (नमन भाव), दास्य (सेवक भाव), सख्य (मित्र भाव) और आत्म-निवेदन (पूर्ण समर्पण का भाव)। ये मार्ग मनुष्य को सच्चे कर्म और अंतर्मन के समर्पण के माध्यम से आध्यात्मिक मुक्ति की ओर ले जाते हैं।

नवधा भक्ति कथा को विस्तृत रूप से समझाते हुए स्वामी गोविंद देव गिरी जी महाराज ने कहा नवधा भक्ति कथा के आयोजन के लिए मैं श्री सीमेंट की सराहना करता हूँ। नवधा भक्ति की नौ श्रेणियों जैसे श्रवण, कीर्तन, स्मरण इत्यादि के माध्यम से यह समझाया जाता है कि ईश्वर के प्रति हमारा समर्पण किन-किन रूपों में प्रकट हो सकता है। भगवान की भक्ति का कोई एकमात्र मार्ग नहीं होता; भक्ति के अनेक माध्यमों से ईश्वर की प्राप्ति हो सकती है। यही भाव नवधा भक्ति कथा में प्रभु श्रीराम द्वारा व्यक्त किया गया है। श्री सीमेंट के माध्यम से प्रभु का यह लोक-कल्याणकारी संदेश जनता तक पहुँच पाया, इसलिए श्री सीमेंट का हार्दिक अभिनंदन।

स्वामी गोविंद देव गिरी जी महाराज ने अपनी सरल वाणी और गहन आध्यात्मिक ज्ञान से इन नौ भक्ति के मार्गों की व्याख्या कर कथा में जीवंत करा।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा आसमां पब्लिसर्स इंडिया प्रा.लि. पंजाब नेशनल बैंक के सामने, जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354